रांची, शनिवार, 13 सितंबर 2025

संवत 2082, आश्विन कृष्णपक्ष 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 09 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ मिजोरम रेल नक्शे पर

पंचायत 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहीं हैं सानविका ◀◀ 6

धनबाद के बीसीसीएल ब्लॉक 2 क्षेत्र के न्यू मधुबन में हादसा

बीसीसीएल वाशरी का 100 फीट ऊंचा साइलो प्लांट धराशायी, मची अफरा- तफरी

कर्मियों के फंसे होने का अंदेशा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

संवाददाता

धनबादः बीसीसीएल ब्लॉक 2 क्षेत्र के न्यू मधुबन बीसीसीएल वाशरी में देर एक बड़ा हादसा हुआ। करीब 100 फीट ऊंचा साइलो प्लांट अचानक जोरदार आवाज के साथ ढह गया। गनीमत रही कि यह हादसा रात में हुआ, वरना बड़ा जानमाल का नुकसान हो सकता था। घटना देर रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। कर्मी के फंसे होने की आशंका, बचाव कार्य जारीः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात होने के कारण मौके पर कम कर्मी मौजूद थे। हादसे में साइलो प्लांट के मलबे में एक कर्मी के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय गोपाल महतो ने बताया कि राधा कंपनी का कर्मी धर्मेंद्र कुमार साइलो प्लांट के अंदर फंसा हुआ है। बीसीसीएल प्रबंधन ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया है, जो देर रात से जारी है। हालांकि, वाशरी डिविजन के जीएम सोहेल इकबाल ने दावा किया कि मलबे में कोई कर्मी फंसा नहीं है और इसकी जांच की जा रही है। यह

वाशरी चेन्नई की राधा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को आउटसोर्सिंग के तहत दी गई है, जो इसका संचालन और रखरखाव भी देखती है। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने हादसे के लिए ठेकेदार कंपनी की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले बनी इस वाशरी में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। विधायक ने ठेकेदार कंपनी के खिलाफ मुकदमा और सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रत्यक्षदर्शी ने बताई आपबीतीः ड्यूटी पर तैनात कर्मी नरेश महतो ने बताया कि वे साइलो की जांच कर रहे थे, तभी कुछ गिरने का आभास हुआ। तभी तुरंत बाइक लेकर वहां से निकल गए। सड़क पर पहुंचते ही साइलो पूरी तरह ढह गया। नरेश ने बताया कि एक कर्मी ऊपरी हिस्से में फंसा हुआ है। उनके अनुसार, यह वाशरी डेढ़ साल से संचालित हो रही है। बीसीसीएल प्रबंधन का बयानः वाशरी डिविजन के जीएम सोहेल इकबाल ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। उन्होंने करीब 100 फीट का साइलो प्लांट के ढह जाने की पुष्टि की है। बीसीसीएल प्रबंधन इस बात की जांच कर रहा है कि हादसे में कोई कर्मी फंसा है या नहीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और ट्रेड यूनियन के नेता मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और नेताओं ने बीसीसीएल प्रबंधन और ठेकेदार कंपनी की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। इस हादसे ने वाशरी के रखरखाव और निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मवेशी तस्करों ने की पुलिस को रौंदने की कोशिश, दो गिरफ्तार

पलामूः मवेशी तस्करों ने पुलिस अधिकारी और जवानों को अपने वाहन से रौंदने की कोशिश की, जिसमें पुलिस अधिकारी और जवान बाल-बाल बच गए। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहार के एक मवेशी तस्कर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पड़वा मोड़ से छतरपुर की तरफ नेशनल हाईवे 98 से दो पिकअप वाहन से मवेशी की तस्करी होने वाली है। इसी सूचना के आलोक में नावाबाजार थाना के पास चेक पोस्ट पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कियाः इसी दौरान मवेशी को लेकर जा रहे तस्करों को नावाबाजार चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस अधिकारी एवं जवानों ने रोकने का प्रयास किया। मगर मवेशी तस्कर वहां रुके नहीं। बाद में पुलिस ने वाहन का पीछा करते हुए नावाबाजार थाना क्षेत्र के पास पिकअप वाहन को पकड़ा। इसमें एक आरोपी औरंगाबाद (बिहार) के कुटुंबा का रहने वाले रंजीत कुमार है जबकि दूसरा आरोपी जुनाब अंसारी पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के लिधकी का रहने वाला है। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने पुलिस को रौंदने का प्रयास कियाः विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने बताया कि तस्करों ने पुलिस को रौंदने का प्रयास किया था। मवेशी को पलामू के तरहसी के इलाके से बिहार के संडा इलाके में ले जाया जा रहा था। तीन और भी आरोपी शामिलः पुलिस ने मवेशियों से संबंधित कागजात की मांग की, जिसे आरोपी प्रस्तुत नहीं कर पाए थे। इस मामले में आरोपियों ने तीन और नाम बताएं हैं जो मवेशी की तस्करी करवा रहे थे। पुलिस की इस छापेमारी में नावाबाजार के थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, सबइंस्पेक्टर अनिल कुमार चौधरी समेत कई अधिकारी शामिल थे।

हिमाचल में मौसम का कहर जारी, बिलासपुर में बादल फटने से तबाही, मलबे में दबीं कई गाड़ियां

एजेंसी

बिलासपुर : हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शनिवार सुबह बिलासपुर जिले की उप तहसील नम्होल के गांव गुतराहन में बादल फटने की घटना सामने आई, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही हुई। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गई। भारी बारिश के बाद जगह जगह लैंडस्लाइड से कई किसानों की जमीन भी बह गई है। वहीं, मंडी जिला के धर्मपुर के सपड़ी रोह गांव में भी सुबह चार बजे पहाड़ी से बड़ा लैंडस्लाइड हो गया। इससे कई घरों को खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद, प्रशासन ने 8 घरों को खाली करवा दिया गया है।

वहीं, भरमौर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर तुन्नूहट्टी, लाहड़ और मैहला के पास शुक्रवार रात भारी बारिश के बाद भूस्खलन हुआ। इससे सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोग वाहनों में ही रात बिताने को मजबूर हुए। एनएच मंडल के अधिशासी अभियंता मीत शर्मा ने बताया कि पेड़ गिरने और मलबा आने के कारण सड़क बंद हो गई थी, जिसे बहाल करने का कार्य जारी है। राज्य में जगह-जगह हो रहे भूस्खलन के कारण सैकड़ों

सड़कें बंद हैं। कई इलाकों में बिजली ट्रांसफार्मर और जल आपूर्ति योजनाएं भी ठप पड़ी हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश के कई हिस्सों में 19 सितंबर तक बारिश का पूर्वानुमान जताया है। 13 और 14 सितंबर के लिए कुछ स्थानों पर भारी बारिश और अंधड़ चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। शिमला में जहां धूप के साथ बादल छाए हुए हैं, वहीं पालमपुर, कांगड़ा और जोगिंद्रनगर जैसे क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई है।

मानसून सीजन के आंकड़े भी चिंताजनक हैं। 20 जून से 12 सितंबर तक प्रदेश में कुल 4,465 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। इस अवधि में 386 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 168 की जान सड़क हादसों में गई है। इसके अलावा 451 लोग घायल हुए हैं और 41 लोग अब भी लापता हैं। राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

एजेंसी

नई दिल्लीः राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रूस के कामचटका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की उथली गहराई पर आया। हालाँकि, संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसकी तीव्रता 7.4 बताई है, जिसका केंद्र 39.5 किलोमीटर की गहराई पर था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में रूसी तटों को प्रभावित करने वाली खतरनाक लहरों की चेतावनी दी है। यूएसजीएस ने शुरूआत में भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे कम कर दिया। यह भूकंप जुलाई में रूस

के कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ ही महीने बाद आया है, जिससे पूर्वी रूस में तीव्र भूकंपीय लहरें उठीं और जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और कई प्रशांत द्वीपीय देशों सहित कई देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। 14 वर्षों में सबसे शक्तिशाली भूकंपः अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, जुलाई में आया भूकंप पिछले 14 वर्षों में दुनिया भर में दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली भूकंप था, और इतिहास में छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। यह 2011 में जापान में आए 9.1 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद सबसे तीव्र था, जिसने एक भीषण सुनामी और व्यापक विनाश को जन्म दिया था।

विकास की गाथा : पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ा मिजोरम पीएम ने राजधानी एक्सप्रेस समेत तीन ट्रेनों को दिखाई झंडी

– आइजोल में बोले पीएम , देश के विकास में मिजोरम का अहम योगदान

एजेंसी

आइजोल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन का उद्घाटन किया है। मिजोरम के लिए एक ऐतिहासिक दिन, क्योंकि यह भारत के रेलवे मानचित्र में शामिल हो गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन 8,070 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनकर तैयार हुई है। यह केंद्र सरकार की विश्वस्तरीय

बुनियादी ढांचे और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह रेल लाइन एक चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में बनी है। इसके लिए जटिल भौगोलिक स्थितियों के तहत 45 सुरंगें बनाई गई हैं। इसमें 55 बड़े पुल और 88 छोटे पुल भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। वे मिजोरम के लिए निकले थे। हालांकि, दुर्भाग्य से खराब मौसम के कारण वे आइजोल नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मिजोरम एयरपोर्ट पर ही उन्होंने वर्चुअली कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मिजोरम भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह राष्ट्र के लिए, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। अब आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर होगा।

पीएम मोदी ने कहा, कुछ साल पहले मुझे आइजोल रेलवे लाइन की आधारशिला रखने का अवसर मिला था और आज हम इसे देशवासियों को समर्पित करते हुए गर्व महसूस करते हैं। दुर्गम भूभाग सहित कई चुनौतियों को पार करते हुए बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन एक वास्तविकता बन गई है। हमारे इंजीनियरों के कौशल और हमारे कार्यकर्ताओं के उत्साह ने इसे संभव बनाया है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पहली बार मिजोरम का सैरांग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। यह सिर्फ एक रेलवे नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवनरेखा है। यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। इस विकास से कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कर्नाटक : गणेश विसर्जन के दौरान हादसा,भीड़ में घुसा अनियंत्रित ट्रक,9 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

एजेंसी

नई दिल्लीः कर्नाटक के हासन जिले से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां गणेश विसर्जन के उत्सवी माहौल में एक बड़ा हादसा हो गया। होलेनरसीपुरा तालुक के मोसले होसहल्ली गांव के पास, जब श्रद्धालुओं का जुलूस धार्मिक उल्लास के साथ आगे बढ़ रहा था, तभी अचानक एक तेज रफ्तार भारी ट्रक ने भीड़ को रौंद डाला। इस भीषण हादसे में अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना शनिवार देर शाम नेशनल हाइवे 373 पर हुई, जब विसर्जन के लिए गणपति प्रतिमा ले जा रहे सैकड़ों श्रद्धालु सड़क पर मौजूद थे। उसी दौरान एक भारी मालवाहक ट्रक नियंत्रण खो बैठा और सीधे जुलूस में घुस गया। 5 लोगों की

मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल अवस्था में अस्पताल ले जाए गए 4 अन्य लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कम से कम 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जांच में ट्रक की तेज रफ्तार और लापरवाही से ड्राइविंग को मुख्य वजह माना जा रहा है। ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

घटना पर शोक व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने ट्वीट कर कहा कि, मोसले होसहल्ली में गणेश विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे की खबर बेहद स्तब्ध कर देने वाली है। कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है और दर्जनों घायल हैं। यह वाकई एक दुखद त्रासदी है। उन्होंने राज्य सरकार से घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने की मांग की और दिवंगतों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार को घायलों के इलाज का पूरा खर्च वहन करना चाहिए और पीड़ित परिवारों को यथोचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

घटना के बाद क्षेत्र में शोक और गुस्से का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस तरह के जुलूसों के दौरान यातायात व्यवस्था बेहतर करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

कार को ओवरटेक करने के दौरान गिरा युवक ,मौत

चान्होः बीजूपाड़ा- खलारी मुख्यपथ स्थित चोड़ा चौंक के निकट हुए एक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय खालिद अंसारी की मौत हो गई। वह अपनी बाइक से बीजूपाड़ा की ओर आ रहा था जब एक कार से ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही दूसरी कार से बचने की कोशिश में असंतुलित होकर कार से टकरा गया। घायल खालिद को पेट्रोलिंग पुलिस ने चान्हो के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। खालिद खलारी का निवासी था और उसके पिता का नाम ताहिर अंसारी है।

::::::::::::::::

मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री डीडी लापांग का निधन, राज्य में शोक की लहर

एजेंसी

नई दिल्लीः मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज राजनेता डॉ। डोनकुपर रॉय लापांग का निधन हो गया है। वे 91 वर्ष के थे। उनके निधन से राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। उन्होंने मेघालय की राजनीति में एक लंबा और प्रभावशाली करियर जिया और वे पांच बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। राजनीतिक सफर लंबा करियरः डी डी लापांग ने मेघालय की राजनीति में एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने पहली बार 1992 में मुख्यमंत्री का पद संभाला था और इसके बाद वे कुल पांच बार इस पद पर रहे।

कांग्रेस के दिग्गज नेताः वे कांग्रेस पार्टी के एक प्रमुख नेता थे और उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका राजनीतिक सफर कई उतार-चढ़ावों से भरा रहा, लेकिन वे हमेशा राज्य की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा बने रहे। जननायकः लापांग को एक जननायक के रूप में याद किया जाता है। वे जनता के बीच बेहद

लोकप्रिय थे और उनकी सादगी और लोगों से जुड़ने की क्षमता की हमेशा तारीफ की जाती थी। उन्होंने मेघालय के विकास और कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए। शोक की लहरः उनके निधन पर राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री और अन्य राजनीतिक नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने लापांग के निधन को मेघालय के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। डी डी लापांग का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनके परिवार और समर्थकों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

न्यूज IN ब्रीफ

बिरसा कॉलेज, खूंटी में हिंदी दिवस व नशा मुक्ति कार्यक्रम

खूंटी: बिरसा कॉलेज, खूंटी में हिंदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में मादक पदार्थ एवं नशा मुक्ति उन्मूलन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। हिंदी दिवस के कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. चन्द्रकिशोर भगत और खेल प्रभारी राजकुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. चन्द्रकिशोर भगत ने हिंदी भाषा के महत्व और उसकी सार्थकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी के भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बनने के सफर का विस्तार से वर्णन किया। श्री राजकुमार गुप्ता ने कहा कि आज हिंदी का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। फिल्म और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों ने सभी को हिंदी के महत्व को स्वीकार करने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा क्षेत्रीयता से राष्ट्रीयता की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती है और सभी स्थानीय भाषाओं को उचित महत्व व सम्मान भी प्रदान करती है। डॉ. संगीता संगा ने हिंदी भाषा के मानकीकरण और उसकी विशेषताओं पर अपने विचार रखे। वहीं, डॉ. अभिषेक कुमार ने बताया कि किस प्रकार आज पूरे विश्व में हिंदी भाषा ने फिल्म, साहित्य, डबिंग और अनुवाद जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी भाषा में हर प्रकार के भावों की अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का भंडार है, जो विश्व की किसी अन्य भाषा में दुर्लभ है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की डॉ. प्रियंका कुमारी ने किया। उन्होंने बताया कि हिंदी भाषा ने सभी भाषाओं के शब्दों को स्थान दिया है और समय-समय पर इसके मानकीकरण ने इसके राष्ट्रीय महत्व को और बढ़ाया है। इसी क्रम में, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम पदाधिकारी तारीफ लुगुन के नेतृत्व में मादक पदार्थ और नशा उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशा करने के दुष्परिणामों से अवगत कराया और नशा न करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. चन्द्रकिशोर भगत, तारीफ लुगुन, राजकुमार गुप्ता, डॉ. संगीता संगा, डॉ. प्रियंका कुमारी सहित महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

तमाड़ प्रखंड में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

रांचीः जिले के तमाड़ प्रखंड अंतर्गत सलगाड़ीह स्थित नागेश्वर महतो पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को एक गरिमामयी शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय की निदेशिका कुमकुम महतो ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, समाजसेवी एवं झारखंड आंदोलनकारी आस्तिक महतो सहित सभी अतिथियों, शिक्षकों और शिक्षिकाओं द्वारा भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय नागेश्वर महतो के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया।

इस मौके पर सभी अतिथियों ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मधुर गीत-संगीत की एक विशेष प्रस्तुति दी, जिसने मौजूद अभिभावकों और आमजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि आस्तिक महतो ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षा जीवन के मूल्यों में सार्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। नागेश्वर महतो पब्लिक स्कूल गांव-देहात के बच्चों के लिए निश्चित तौर पर मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर अतिथि के रूप में घनश्याम महतो, कृष्ण सिंह मुंडा सहित शिक्षकगण बहालेन हंस, निशा कुमारी, यशोदा कुमारी, किरण कुमारी, संजू कुमारी, विरेंद्र महतो, रासबिहारी यादव, उद्धव महतो, सुफल उरांव, दीपक महतो व अन्य उपस्थित थे।

सम्मेद शिखर में विश्व-मैत्री महोत्सव का भव्य आयोजन

कोडरमाः श्री सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर स्थित गुणायतन परिसर में आयोजित विश्व-मैत्री महोत्सव आध्यात्मिक गरिमा और सामाजिक सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन श्रद्धेय देवेन्द्र ब्रह्मचारी के मार्गदर्शन में महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। बिहार के राज्यपाल आसिफ मोहम्मद खान, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवशाली बना दिया। महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आचार्य विद्यासागर महाराज तथा आचार्य समय सागर महाराज के मंगल चित्र अनावरण से हुआ। इसके पश्चात परम पूज्य निर्यापक श्रवण मुनिश्री समता सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सभी ने मंगल वचनों का लाभ लिया। पूज्य आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका दृढ़मति माताजी ससंघ ने गुरुवंदना का दिव्य अवसर प्रदान किया, जिनके सस्वर मंगलपाठ और प्रवचन ने श्रद्धालुओं को आत्मशुद्धि, संयम और धर्ममय जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार के राज्यपाल आसिफ मोहम्मद खान ने कहा कि साधु-संतों का तप और त्याग समाज के लिए प्रेरणा है। विश्व- मैत्री महोत्सव राष्ट्र में शांति और सद्भावना का मार्ग प्रशस्त करता है। गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर इतना विराट आयोजन झारखंड का गौरव है। यह महोत्सव धर्म और संस्कृति को जोड़ने वाला अद्भुत प्रयास है। श्रद्धेय देवेन्द्र ब्रह्मचारी ने अपने संदेश में कहा कि साधु- संतों का सान्निध्य जीवन की सबसे बड़ी धरोहर है। आज के इस महोत्सव में हजारों आत्माओं को संयम, शांति और मैत्री का अमृतपान करने का अवसर मिला। यह आयोजन केवल परंपरा नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने और धर्म की शाश्वत ज्योति को जीवित रखने का संकल्प है। कार्यक्रम का समन्वय मनोज जैन इशिका एवं अजय जैन गंगवाल ने किया। आयोजन में सहयोग प्रदान करने वालों में ताराचंद जैन (अध्यक्ष, दिगंबर जैन धार्मिक न्यास परिषद, झारखंड), संजय पाटनी एवं सानो पाटनी प्रमुख रहे। बीरेन्द्र जैन गुणायतन ने मुख्य जन संपर्क अधिकारी के रूप में आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था और संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर समाजहित और उत्कृष्ट योगदान देने वाले अनेक व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिनमें शामिल रहे– पंकज सोनी (समाज गौरव सम्मान), डॉ. संजय कुमार (विद्या वारिधि सम्मान), ब्रह्मचारी धीरज भैयाजी (आध्यात्मिक सेवाभाव सम्मान), अजय जैन गंगवाल (संयोजन गौरव सम्मान), तथा मोनिला जैन (सांस्कृतिक समर्पण सम्मान) झारखंड सहित विभिन्न प्रांतों से आए हजारों श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। साधु-संतों की उपस्थिति से आध्यात्मिक वातावरण और समाज के गणमान्य व्यक्तियों के सान्निध्य से यह महोत्सव अविस्मरणीय बन गया।

दुर्गा पूजा से पहले मईयां सम्मान योजना की राशि और तीन माह का पेंशन देगी

संवाददाता

रांची : दुर्गा पूजा का मुख्य उत्सव रविवार, 28 सितंबर से गुरुवार, 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। वहीं, हेमंत सरकार दुर्गा पूजा से पहले मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत लाभुक महिलाओं को सितंबर महीने की राशि उनके खाते में भेज देगी।

इतना ही नहीं हेमंत सरकार दुर्गा पूजा से पहले वृद्धा, विधवा और दिव्यांगजन पेंशनधारियों को 3 महीने (जुलाई से सितंबर) की पेंशन भी एक साथ देगी। बता दें कि झारखंड में कुल 11,75,646 पेंशनधारी हैं, जिन्हें तीन माह (जुलाई, अगस्त और सितंबर) की पेंशन एक

साथ दी जाएगी। इसमें 8,99,076 वृद्धा पेंशन, 2,51,173 विधवा पेंशन और 25,397 दिव्यांग पेंशन के लाभुक शामिल हैं। प्रत्येक पेंशनधारी को प्रति माह 1000 रुपये की दर से कुल 3000 रुपये मिलेंगे।

15 सितंबर के बाद जिलों के स्तर पर राशि ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सितंबर माह में 50 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में मंईयां योजना की राशि ट्रांसफर की जाएगी। वहीं, राज्य सरकार ने योजना के तहत अक्टूबर माह की राशि भी दीपावली और छठ से पहले देने की योजना बनाई है।

अवैध पीपल का बोटा लदा 407 ट्रक जब्त

खूंटी : वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि मारंगहादा-चुकरू मार्ग से अवैध लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने बुधवार रात छापेमारी कर एक 407 ट्रक को अवैध पीपल के बोटे के साथ जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, वन विभाग के प्रमंडलीय अधिकारी (डीएफओ) को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि रेमता गांव के निकट मारंगहादा-चुकरू सड़क मार्ग से अवैध रूप से लकड़ी ले जाई जा रही है। इस सूचना की पुष्टि पर तत्परता दिखाते हुए डीएफओ ने प्रभारी वनपाल प्रवीण सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। गठित टीम ने रात करीब 10 बजे उक्त इलाके में छापेमारी की।

डीवीसी केटीपीएस में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

विजेताओं को किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः डीवीसी केटीपीएस निरीक्षण भवन में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज कुमार ठाकुर, सीजीएम एवं एचओपी-केटीपीएस उपस्थित रहे। साथ ही सुखमोय, डीजीएम -एचआर भी मंचासीन रहे। अपने संबोधन में श्री ठाकुर ने बच्चों व कर्मचारियों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल स्वस्थ शरीर व मस्तिष्क के निर्माण का आधार हैं। साथ ही उन्होंने मेजर ध्यानचंद की विरासत को जीवित रखने हेतु हॉकी खेल को कर्मचारियों व उनके बच्चों में प्रोत्साहित करने की बात कही। टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कर्मचारियों के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अनुपम तिवारी, सहायक प्रबंधक-एचआर ने किया, जबकि असीम अमिताभ परिदा, प्रबंधक- एचआर ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। समारोह ने कर्मचारियों और उनके परिजनों में खेल भावना का संचार करते हुए मेजर ध्यानचंद की स्मृति को जीवंत कर दिया। वहीं कार्यक्रम को लेकर धन्यवाद ज्ञापन डीवीसी केटीपीएस टीम से नवीन कुमार ने किया।

सेल ने एससी/एसटी उद्यमियों के लिए किया विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

रांचीः भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल), रांची स्थित इकाइयों ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), एमएसएमई मंत्रालय और राष्ट्रीय एससी-एसटी हब कार्यालय (एनएसएसएचओ), रांची के सहयोग से प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, डोरंडा, रांची में एक विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम (एसवीडीपी) का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 अभियान के तहत आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों सहित लगभग 45 विक्रेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने सेल के साथ साझेदारी करने और सार्वजनिक खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करने के अवसरों की खोज की।

सेल प्रबंधन ने समावेशी खरीद के महत्व, राष्ट्र निर्माण में सेल की भूमिका और सार्वजनिक खरीद में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने के सरकार के आदेश पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बोलते हुए, अधिकारियों ने मेक इन इंडिया, एमएसएमई सशक्तिकरण और समावेशी विकास के समर्थन के लिए सेल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

लगभग 45 विक्रेताओं की सक्रिय रूप से चर्चा में भागीदारी के साथ, इस बैठक ने उद्यमियों को सेल की खरीद टीमों के साथ सीधे बातचीत करने, विक्रेता पंजीकरण आवश्यकताओं का पता लगाने और एमएसएमई, एनएसआईसी और सरकारी योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध सहायता ढाँचों को समझने का एक मंच प्रदान किया।कार्यक्रम का समापन सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उद्देश्यों के अनुरूप पारदर्शिता, समावेशिता और सतत विकास को बढ़ावा देने वाली साझेदारियों को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

तीखे मोड़ पर पलटी कार, चालक गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

खूंटी : जिले के अड़की थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में एक कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा खूंटी-तमाड़ रोड पर हेमरोम के पास एक तीखे मोड़ पर हुआ। जानकारी के अनुसार, राजू नायक नामक व्यक्ति अल्टो कार चला रहे थे और अकेले ही कांची के बारेड़ीह से अपने ससुराल खूंटी जा रहे थे। मार्ग में हेमरोम के पास तीखे मोड़ पर कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पुल से नीचे जा गिरी। इस भीषण हादसे में राजू नायक के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और राहगीरों ने उन्हें कार से बाहर निकालने में मदद की। घायल को तुरंत 108 एम्बुलेंस की सहायता से बेहतर इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया गया। उनके हालात गंभीर बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर कार्रवाई की है। इस हादसे ने एक बार फिर इस इलाके में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति को आजीवन कारावास

कोडरमाः अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति रविकांत सिंह उर्फ सोनू सिंह कोडरमा बिजली ऑफिस के समीप निवासी को दोषी पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया। मामला 16 दिसंबर 2023 का है। मृतका ममता देवी के पिता सागर सिंह ने कोडरमा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी की हत्या पैसे की लालच में पति व ससुराल वालों ने मिलकर की। 17 दिसंबर की सुबह सूचना मिलने पर जब वे पहुंचे तो ममता देवी घर में अचेत अवस्था में मिली। उसके गर्दन व चेहरे पर चोट के स्पष्ट निशान थे। अदालत में अभियोजन पक्ष ने 10 गवाहों को पेश किया। लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए कड़ी सजा की मांग की।

केंद्रीय कोयला व खान मंत्री ने किया सीसीएल के मगध संघमित्रा क्षेत्र का दौरा

मंत्री श्री रेड्डी और सीएम हेमंत सोरेन की हुई शिष्टाचार मुलाकात

जेएसएसपीएस के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित , बच्चों के साथ काटा केक

संवाददाता

रांची : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार जी. किशन रेड्डी ने अपने झारखंड दौरे के दूसरे दिन खेलगांव, होटवार स्थित जेएसएसपीएस का दौरा किया। इस दौरान मंत्री को प्रशिक्षुओं ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अवसर विशेष पर श्री रेड्डी ने जेएसएसपीएस के बच्चों एवं उनके प्रशिक्षकों से संवाद किया और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाडियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। तत्पश्चात माननीय मंत्री ने हाल ही में स्थापित फिजियोथेरेपी सेंटर का अवलोकन कर वहाँ की सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

मंत्री ने सितंबर माह में जन्मदिन मनाने वाले 16 बच्चों के साथ केक काटा, उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उपहार भेंट किए। उन्होंने सभी बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य का नाम रोशन करें। ज्ञात हो कि खररढर में बच्चों को हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, तैराकी, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और तीरंदाजी जैसे 11 खेलों की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। जेएसएसपीएस, सीसीएल और झारखंड सरकार की संयुक्त पहल है। जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों के नाम 15 अंतर्राष्ट्रीय पदक, 262 राष्ट्रीय पदक और 1352 राज्य पदक जीतने का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

इसके बाद मंत्री ने रांची में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। जहां उन्होंने सीसीएल के नवनिर्मित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) का उल्लेख करते हुए खदानों में अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार और कोल इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वार्ता के दौरान ही माननीय मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रालय का उद्देश्य आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं है। मंत्रालय का उद्देश्य, देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है।

इसके बाद श्री रेड्डी ने भारतीय खान ब्यूरो रांची के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात मंत्री ने चतरा स्थित सीसीएल के मगध संघमित्रा क्षेत्र का दौरा किया, जहां उनका स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया। मगध संघमित्रा क्षेत्र के व्यू प्वइंट से माननीय मंत्री ने कोयला खदान का जायजा लिया, इसकी बारीकियों को समझा और उचित दिशा निर्देश दिए तथा वहाँ चल रही खनन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। अवसर विशेष पर मानीय मंत्री ने विस्थापित हुए 24 लोगों को नौकरी के लिए इंटरव्यू लेटर सौंपा। माननीय मंत्री ने सीसीएल के महिला कर्मचारियों-सफाई कर्मियों के साथ बातचीत किया, उनके जीवनशैली तथा चुनौतियों को समझा और महिलाकर्मियों के साथ सेल्फी भी ली, इस दौरान मगध संघमित्रा क्षेत्र में पौधरोपण का कार्यक्रम भी हुआ।

भूमि सुधार विभाग ने किया विस्थापन आयोग का गठन, अधिसूचना जारी

विभाग में एक अध्यक्ष, दो सदस्य और संबंधित विभागों के नामित अधिकारी होंगे शामिल

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने विकास योजनाओं और औद्योगिक परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग ने विस्थापन आयोग के गठन से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी।

अधिसूचना के अनुसार आयोग का गठन विशेष रूप से उन परियोजनाओं के संदर्भ में किया गया है, जिनके कारण ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण और विस्थापन की स्थिति उत्पन्न होती है। बताया गया है कि आयोग विस्थापित परिवारों की समस्याओं का समाधान सुझाने, मुआवजा वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करने का कार्य करेगा।

आयोग का स्वरुप: अधिसूचना में आयोग की संरचना भी तय की गयी है। इसमें एक अध्यक्ष, दो सदस्य और संबंधित विभागों के नामित अधिकारी शामिल होंगे। अध्यक्ष का पद राज्य सरकार द्वारा नामित वरिष्ठ पदाधिकारी या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी को दिया जा सकता है।

आयोग की प्रमुख जिम्मेदारियां विस्थापित परिवारों की पहचान और सत्यापन

प्रभावित परिवारों की सूची का परीक्षण कर उन्हें मुआवजा और पुनर्वास का लाभ दिलाना।

मुआवजा और पुनर्वास पैकेज की समीक्षा

यह सुनिश्चित करना कि किसी भी परियोजना के तहत प्रभावित परिवारों को न्यायसंगत और समयबद्ध मुआवजा मिले।

आजीविका के विकल्प : विस्थापन के बाद प्रभावित परिवारों के लिए रोजगार, कौशल विकास और स्थायी आजीविका के अवसर सुनिश्चित करना।

नीति सुधार पर सुझाव : आयोग समय-समय पर सरकार को रिपोर्ट और सिफारिशें देगा ताकि विस्थापन से जुड़े नियमों को और अधिक पारदर्शी व मानवीय बनाया जा सके।

हजारीबाग मामले में आईएएस विनय चौबे की बेल पर फैसला 16 सितंबर को

संवाददाता

रांची/हजारीबागः हजारीबाग रहते हुए सेवायत भूमि घोटाला करने के आरोपी निलंबित आईएएस विनय चौबे की जमानत याचिका पर हजारीबाग अउइ कोर्ट 16 सितंबर को अपना फैसला सुनाएगा। विनय चौबे की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान एसीबी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अब कोर्ट विनय चौबे की बेल पर क्या फैसला सुनाता है यह देखना काफी दिलचस्प होगा। विनय चौबे की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की। वहीं एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने बहस की। विनय चौबे ने जिस मामले में हजारीबाग एसीबी कोर्ट से बेल मांगी है उस मामले में अगस्त महीने प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एसीबी ने इस संबंध में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है। इससे पहले विनय चौबे झारखंड शराब घोटाला मामले में भी आरोपी बनाए गए थे लेकिन तय समय के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण उन्हें लाभ मिला और उन्हें शराब घोटाला केस में उन्हें जमानत मिल गई।

सीयूजे के हिंदी विभाग में शिक्षक, भाषा व भारतेंदु विषय पर विशेष कार्यक्रम

संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के हिंदी विभाग में शिक्षक, भाषा और भारतेंदु विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन शिक्षक दिवस, हिंदी दिवस और भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के संयुक्त उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी साहित्य सभा की छात्र इकाई ने किया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भारतेंदु हरिश्चंद्र की चर्चित रचना अंधेर नगरी के बाजार दृश्य का प्रभावशाली मंचन किया। इसके अलावा कबीर के दोहों की संगीतमय प्रस्तुति, स्वरचित कविताएं, गीत और नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो रत्नेश विष्वक्सेन ने कहा हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि देश को एक सूत्र में बांधने वाला माध्यम है। भारतेंदु हरिश्चंद्र न केवल आधुनिक हिंदी के जनक हैं बल्कि वे सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के भी महान शिक्षक रहे हैं।उन्होंने एक शिक्षक की भूमिका को केवल शिक्षा तक सीमित न मानते हुए उसे समाज निर्माण का स्तंभ बताया।

छात्रा निशा कुमारी ने गुरु-शिष्य परंपरा और डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विचारों पर प्रकाश डाला। डॉ निवेदिता प्रसाद ने भारतेंदु की रचनाओं के माध्यम से उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को समझने की प्रेरणा दी।

डॉ रविरंजन कुमार और डॉ जगदीश सौरभ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए हिंदी के प्रति प्रेम और निष्ठा बनाए रखने की बात कही।

अगले तीन दिन होगी भारी बारिश आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

संवाददाता

रांचीः झारखंड में बारिश का कहर जारी है। बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से तापमान में भी गिरावट आ गई है।

मौसम विभाग ने राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की सम्भावना जताई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार 15 सितंबर के बाद बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, देवघर, गोड्डा, पाकुड़ और साहेबगंज सहित कई जिलों में भारी बारिश होगी। साथ ही वज्रपात की भी आशंका जताई है।मौसम विभाग के मुताबिक हिमालय के तराई क्षेत्र में स्थित सिक्किम और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र से लेकर बंगाल की खाड़ी तक एक ट्रफ (कम दबाव का क्षेत्र) बना हुआ है जिसके झारखंड से होकर गुजरने के कारण यह असर दिख रहा है। इस वजह से राज्य में लगातार बारिश हो रही है।

झोलाछाप डॉक्टर ने मरीज को एक साथ लगाया तीन इंजेक्शन,मौत

सड़क जाम कर परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता

गिरिडीहः जिले में बीते शुक्रवार सुबह एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा कथित तौर पर इंजेक्शन लगाने के बाद 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना गावां थाना क्षेत्र के माल्डा गांव की है। खोरी के अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि भैरव तिवारी को सीने में दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद परिवार के सदस्य उन्हें एक स्थानीय चिकित्सक हरि दास अधिकारी के पास ले गए। अधिकारी पिछले एक दशक से ग्रामीणों का इलाज कर रहा है और खुद के डॉक्टर होने का दावा करता है। प्रसाद ने बताया, आरोपी ने मरीज की जांच के बाद कथित तौर पर उसे लगातार तीन इंजेक्शन लगाए, जिससे उसकी (मरीज की) हालत बिगड़ गई। इसके बाद झोलाछाप डॉक्टर ने परिवार को उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाने को कहा।

तिवारी को गवां सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने पांडेयडीह गोलचक्कर के पास सड़क जाम कर दी और झोलाछाप डॉक्टर की गिरफ्तारी तथा मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की। एसडीपीओ ने कहा, शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हमने परिवार से औपचारिक शिकायत दर्ज कराने को कहा है और आरोपी की तलाश जारी है।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ रांची इकाई का धरना-प्रदर्शन 20 को

संवाददाता

रांची : अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ रांची इकाई के आह्वान पर जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज के खिलाफ उनके तानाशाही रवैये, मानसिक प्रताड़ना और शोषण के विरोध में 20 सितंबर को एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। यह धरना आंदोलन उनके कार्यशैली के खिलाफ आंदोलन के तीसरे चरण का हिस्सा है। संघ ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में प्राथमिक और मध्य विद्यालय के शिक्षक जनसंपर्क अभियान तेजी से चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक शिक्षक धरना प्रदर्शन में भाग ले सकें। संघ के प्रखंड कमिटी सदस्य डोर-टू-डोर जाकर शिक्षकों को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षक डीएसई बादल राज के नियमों का उल्लंघन और तानाशाही रवैये के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मालूम हो कि डीएसई बादल राज ने शिक्षकों के वार्षिक वेतन वृद्धि को लेकर हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा में प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी से शपथ पत्र जमा करने का निर्देश दिया था। इसके विरोध में शिक्षकों ने पहले आदेश की प्रति जलाकर प्रदर्शन किया था और बाद में काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया।

हिंदी टिप्पण पास करने के मुद्दे को आधार बनाकर जुलाई से लगभग तीन हजार शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी गई है। इसके बाद जारी आदेश में शपथ पत्र की मांग ने शिक्षकों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने डीएसई के आदेश को अव्यवहारिक बताया और कहा कि यह शिक्षकों को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने वाला है। उन्होंने बताया कि झारखंड के 23 जिलों में जुलाई से वार्षिक वेतन वृद्धि दे दी गई जबकि राजधानी रांची में करीब तीन हजार शिक्षक इससे वंचित हैं। इस मामले की जानकारी सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और निदेशक प्राथमिक शिक्षा को भी दी गई है।

रांची में प्रतिबंधित गोवंश मांस जब्त, चार गिरफ्तार

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के बाहरी इलाके में प्रतिबंधित गोवंश मांस की तस्करी करने के आरोप में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया और दो वाहन जब्त किये गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि दलादिली और खरसीदाग होते हुए इन वाहनों से मांस कोलकाता ले जाये जायेंगे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, इन सभी को नामकुम के खरसीदाग चौकी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और ये सभी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।" पुलिस के अनुसार, खरसीदाग चौकी थाने में झारखंड गोवंशीय पशु वध निषेध अधिनियम, 2005 की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

Office of Special Officer Rationing, Ranchi
Address :- Room No.-G-12, Block-A,
Ranchi Collectorate, Ranchi.

Letter No:- Dated :-

INVITATION OF BID

TRANSPORTATION & HANDLING SERVICES FOR DELIVERY OF FOODGRAINS, SALT, SUGAR & PULSES FROM WAREHOUSES OF JHARKHAND STATE FOOD AND CIVIL SUPPLIES CORPORATION LTD. TO THE DOOR STEP OF FAIR PRICE SHOPS LOCATED AT **RANCHI MUNICIPAL CORPORATION** OF JHARKHAND THROUGH E-BID ON GeM PORTAL. **BID Details as Follows :-**

Sl. No.	Godown	BID No.	BID Date
1	Kadru, Part-I	GEM/2025/B/6658358	13.09.25 to 13.10.25
2	Kadru, Part-II	GEM/2025/B/6658444	13.09.25 to 13.10.25
3	Kadru, Part-III	GEM/2025/B/6658480	13.09.25 to 13.10.25

Sd/-Special Officer Rationing, Ranchi.

PR 361769 (Food Public Distribution and Consumer Affairs)25-26*D

धू-धूकर जल उठा ट्रक, रांची-जमशेदपुर रोड पर आवागमन रहा बाधित

संवाददाता

रांचीः रांची-टाटा मार्ग पर तमाड़ थाना क्षेत्र के उलिडीह-बाड़वा मोड़ के पास शुक्रवार रात बड़ा हादसा टल गया। रात करीब नौ बजे कोलकाता से राउरकेला जा रहा एक ट्रक अचानक धू धूकर जल उठा। ट्रक संख्या एनएल 01 एए 8038 पर बोरियां लदी हुई थी। ट्रक से पहले धुंआ निकला और थोड़ी ही देर में वह आग के गोले में तब्दील हो गया। उलिडीह बाड़वा मोड के पास से गुजरते वक्त अचानक ट्रक से धुआं निकलने लगा। ट्रक से धुआं निकलता देख चालक चंदन कुमार ने तुरंत गाड़ी रोक दी और नीचे उतरकर चेक करने लगे। इसी बीच आग भड़क उठी और कुछ ही देर में पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, ट्रक और उस पर लदा सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। इधर, ट्रक में आग लगने के बाद हाईवे पर कुछ देर तक वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने वन-वे कर यातायात शुरू कराया। वहीं, अग्निशमन विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

दरअसल, रांची, जमशेदपुर एनएच 43 पर आए दिन सड़क हादसे देखने को मिलते रहते हैं। फोरलेन होने की वजह से गाड़ियां तेज रफ्तार से गुजरती हैं। इस रूट पर काफी संख्या में भारी वाहन भी चलते हैं। अक्सर बड़ी गाड़ियों के सड़क के किनारे खड़े होने की वजह से हादसे होते रहते हैं। इसी साल फरवरी माह में रड़गांव के पास एक कार ने खड़े ट्रेलर में टक्कर मार दी थी। इसकी वजह से चालक और एक महिला की मौत हो गई थी। अप्रैल 2025 में तमाड़ थाना क्षेत्र में ही दो तेज रफ्तार बाइक के बीच टक्कर होने से दो युवकों की मौत हो गई थी। अप्रैल माह में ही इसी रोड पर कांची पुल के पास ट्रेलर और बोलेरो में टक्कर हो गई थी। इस हादसे में बोलेरो चालक की जान चली गई थी जबकि छह लोग घायल हो गये थे। दिसंबर 2024 को तमाड़ थाना क्षेत्र के इसी रूट पर भीषण हादसा हुआ था। तब एक ट्रेलर ने दो बाइक को अपने चपेट में ले लिया था। पोड़ाडीह गांव के पास हुए इस हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री से मिला झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड मंत्रालय में झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री सोरेन के समक्ष प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कई बातें रखी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि संयुक्त रूप से कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आपके कुशल नेतृत्व में कला संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा न सिर्फ झारखंड के कलाकारों को उनकी विशिष्ट पहचान सुरक्षित करने के लिए सीटीएमएस जैसी सक्षम प्रणाली विकसित करके उनके हितों की रक्षा का मार्ग प्रशस्त किया है बल्कि सरकार के द्वारा ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी के गठन का प्रस्ताव पारित करके राज्य में कला-संस्कृति के विकास में नींव का पत्थर स्थापित किया है। इन सभी उपलब्धियों के लिए झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन आपके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता है। इस अवसर पर विधायक भूषण तिर्की तथा प्रतिनिधिमंडल में पद्मश्री मधु मंसूरी, झारखंड कल्चरल आर्टिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार नागवंशी, सचिव डॉ राकेश रमण, संस्थापक श्रीकांत इंदुवार, डॉ सुशील अंकन, डॉ जयकांत इंदुवार, बंदी उरांव, अमित तिर्की, राहुल महली सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,रामगढ़

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अति अल्पकालीन ई-निविदा संख्या:- 03R1/2024-25/RWD/RAMGARH दिनांक **:- 11.09.2025**

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	RWD/RAMGARH/10/2024-25/MMGSY	गोला	संग्रामपुर पंचायत ग्राम सरलाकलां में रूपलाल महतो के घर से बेदिया जारा तक पथ निर्माण कार्य। (3.260 कि0मी0)	243.155	12 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 13.09.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 20.09.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 23.09.2025 अपराह्न 11.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़, नयानगर, घुटुवा, बरकाकाना, रामगढ़ झारखण्ड, पिन– 829103
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 06553254005

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमण्डल, रामगढ़

PR 361687 District (25-26)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भाषा का स्वराज

भाषा हमारी अभिव्यक्ति का न केवल सबसे समर्थ माध्यम है बल्कि संस्कृति के निर्माण, संरक्षण, संचार और अगली पीढ़ी तक उसका हस्तांतरण भी बहुत हद तक उसी पर टिका होता है, भाषा संस्कृति की वासस्थली जो ठहरी। ज्ञान के साथ भी भाषा का रिश्ता गहन और व्यापक है क्योंकि भाषा में ही ज्ञान संजोया जाता है। भाषा की बदौलत मनुष्य अपने देश-काल की सीमाओं से परे जा कर नया सृजन भी कर पाता है। वस्तुतः भाषा मनुष्य की एक विलक्षण रचना है, एक ऐसी कृति जो नश्वर मनुष्य के आविष्कार और अभ्यास पर टिकी होकर भी अत्यंत शक्तिशाली है। दुनिया क्या है और उस दुनिया में हम क्या कुछ कर सकते हैं यह सब बहुत हद तक भाषा की ही देन है। भाषा के लेंस से हम अपनी दुनिया को देखते-समझते हैं। उसी से वस्तुओं को पहचानते हैं, पारस्परिक संवाद करते हैं, प्रार्थना करते हैं और प्यार-मुहब्बत का इजहार करते हैं। भाषा के ही सहारे कुंठा-आक्रोश तथा हास-परिहास सहित विभिन्न भावनाओं को भी मूर्त आकार देते हैं। वस्तुतः भाषा हमारे अस्तित्व का प्रमाण और साक्षी बन कर हमारी सत्ता का प्रसार तय करती है। पर भाषाओं की दुनिया बहुरंगी है। भारत की ही बात करें तो यहाँ भारोपीय (इंडो-यूरोपियन), द्रविड़, आस्ट्रिक और तिब्बती-चीनी भाषा परिवारों की भाषाएँ बोली जाती हैं। कुल मिला कर इनकी संख्या हजार से ज्यादा पहुँचती है और इनमें ऐसी भाषाएँ भी हैं जो सिर्फ़ बोली जाती हैं और उनकी लिपि ही नहीं है। अपने संविधान में उल्लिखित बाईस भाषाओं में पंद्रह भाषाएँ भारोपीय और चार द्रविड़ परिवार से जुड़ी हैं। बोरो और मणिपुरी तिब्बती चीनी परिवार की भाषाएँ हैं और संथाली आस्ट्रिक परिवार की है। आर्य और द्रविड़ परिवार की भाषाओं की दो अलग श्रेणियाँ कई भाषा वैज्ञानिकों को ठीक नहीं जँचती। वे भारतीय भाषाओं के बीच भाषिक स्तर पर काफी निकटता पाते हैं जबकि वे भिन्न भाषा परिवारों की हैं। उदाहरण के लिए इन सबमें बोलने में पदक्रम कर्ता, कर्म और क्रिया से बना हुआ है। यह भी विलक्षण बात है कि सँथाली में संस्कृत की ही तरह तीन बचन होते। ऐसे ही मणिपुरी और हिंदी में भी लिंग-विधान में साम्य है। मणिपुरी में संस्कृत के तत्सम और तद्भव शब्द भी मिलते हैं। बोरो तिब्बती-चीनी परिवार की भाषा तो है पर असमिया और बांग्ला से उसकी बड़ी निकटता है और उसने देवनागरी लिपि भी अपनाई है। दक्षिण की तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ जो द्रविड़ कही जाती हैं, संस्कृत के बड़े निकट हैं। कुल मिला कर भारत को एक भाषा क्षेत्र के रूप में मानने के पक्ष में कई संकेत हैं। भिन्न भाषा-परिवार की भाषाओं में साम्य संपर्क का परिणाम हो सकता है क्योंकि भाषाओं में आदान-प्रदान भी होता है। पर इससे भारतीय संस्कृति की मूल एकता का भी पता चलता है। विभिन्न भाषाओं के साहित्य में भी भारतीय संस्कृति की एकता झलकती है। उनका सादृश्य- विधान और बिंबों के प्रयोग में भी अनोखा साम्य है। कहावतें, मुहावरे और लोक साहित्य में भी भाषाई एकता के अनेक सूत्र मिलते हैं। कहना न होगा कि अधिकांश भाषाओं का संस्कृत से निकट संबंध इस तरह के भाषिक साम्य का एक बड़ा कारण है। भाषा का संस्कृति और शिक्षा से गहन संबंध अंग्रेजों द्वारा उलट पलट दिया गया। अपने उपनिवेश के शासन को संचालित करने के लिए अंग्रेजों को कर्मचारियों को तैयार करना था। इस काम के लिए अंग्रेजी ही उनको सबसे उपयुक्त भाषा लगी। उन्होंने भारतीय भाषाओं को उखाड़ कर अंग्रेजी को रोप दिया। भारत को ह्यइंडियाह्न बना दिया और उसे गढ़ने लगे। धीरे-धीरे भारत, भारतीयता और भारत-भाव को प्रश्नांकित कराटे हुए गौड़ बना दिया गया। विचार और कर्म भाषा से अनुविद्ध होते हैं। हमारे अस्तित्व की बनावट और बुनावट में अंग्रेजी जिस तरह पैठी उसके चलते अपने यथार्थ को हम न केवल उधार की कोटियों में रख कर देखने लगे बल्कि उसी के आईने में वह सब भी अपने में देखने लगे जो था भी नहीं। सांस्कृतिक विस्मरण की प्रक्रिया आधुनिक होने, विकसित होने की वैश्विक दौड़ की अनिवार्यता बन गई। सोचने-विचारने की प्रक्रिया ऐसे तितर-बितर हुई कि ज्ञान की गुणवत्ता प्रश्नांकित होती गई। इसमें यह भ्रम भी मददगार हुआ कि अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में संख्याबल के आधार पर चुन कर बाइस भाषाएँ उल्लिखित हैं जिनमें हिंदी को ह्यराजभाषाह्न घोषित किया गया है यानी वह राजकाज की भाषा है। सरकारी तौर पर 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी संवैधानिक तौर पर राजभाषा घोषित हुई और उसे अंग्रेजी जैसा बन जाने की सलाह दी गई। अंग्रेजी भाषा राजनैतिक-ऐतिहासिक कारणों से सहायक राज भाषा बनी पर वास्तव में उसकी भूमिका राज भाषा की रही। उसमें दक्षता शिक्षा, नौकरी और सरकारी कार्यालयों के लिए जरूरी बनी हुई है। स्वतंत्र भारत ने अंग्रेजों की शिक्षा नीति को लगभग ज्यों का त्यों स्वीकार किया और उसी के अनुसार अंग्रेजी के वर्चस्व को बरकरार रखा। भारतीय भाषाएँ हाशिए पर धकेली जाती रहीं। सरकार का राजभाषा विभाग हिंदी उद्धार के काम में लगा हुआ है पर 76 वर्ष बीतने पर भी प्रश्न उलझा ही है। अंग्रेजी के साथ प्रतिद्वंदिता में हिन्दी हीनता का पर्याय बनती गईः अंग्रेजी जानने वाला ही ज्ञानी और बाकी गंवार बन गए। यह दुर्योग ही है कि जो भाषा उपनिवेशवाद के खिलाफ खड़ी थी वह उपनिवेश खत्म होने के बाद बंदी बना ली गई। सरकारी कामकाज मुख्य रूप से अंग्रेजी में ही चलता रहा। देश की भाषाओं में न्याय, प्रशासन और उच्च शिक्षा में ज्ञानार्जन आदि की व्यवस्था न होने से आम जनता की कठिनाई बढ़ती रही। अब अंग्रेजी बोलना-जानना श्रेष्ठता का ऐसा प्रतीक बन चुका है कि हममें से कई लोग अपनी भाषा का तिरस्कार कर हिन्दी को हिंगलिश बनाने में ही कल्याण देख रहे हैं। इस परिदृश्य में राजनीति की मुख्य भूमिका रही है। इस सबके बावजूद संवाद, संपर्क और ज्ञान की भाषा के रूप हिंदी की भारत में व्यापक उपस्थिति है। साल 1909 में महात्मा गांधी ने इन्डियन ओपिनियन में लिखते हुए यह कहा था कि सारे भारत के लिए जो भाषा चाहिए, वह हिन्दी ही होगी। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौर में हिन्दी देश की संपर्क भाषा बन गई। विद्यार्थी के रूप में बापू ने अंग्रेजी में पढ़ाई को खुद एक अतिरिक्त भार के रूप में महसूस किया था जो ज्ञानार्जन में रोड़े अटकाती है। वह खुद अधिकांश लेखन मातृभाषा गुजराती में करते थे। हिंदी का क्षेत्र हिमालय की तराई, नर्मदा, पंजाब, सिन्ध, गुजरात, बंगाल, छोटानागपुर तक विस्तृत है। इसकी सीमाएं बांग्ला, ओडिया, तेलुगु, नेपाली, पंजाबी, गुजराती और सिन्धी से जुड़ती हैं। उल्लेखनीय है कि लचीली होने और व्यापक शब्द भण्डार के साथ जोड़ने की प्रवृत्ति के चलते राजा राममोहन राय, केशव चन्द्र सेन, स्वामी दयानंद, लोकमान्य तिलक और महात्मा गांधी आदि ने हिन्दी को अपना समर्थन दिया था। संस्कृत से निकली मराठी, बांग्ला, उड़िया और गुजराती भाषाओं से हिन्दी का निकट रिश्ता है। हिन्दी क्षेत्र जनसंख्या बहुल होने से व्यापार के लिए अच्छा बाजार भी उपलब्ध करा देता है। हिन्दी फिल्में, संगीत पूरे भारत में प्रचलित हैं। भारत की आधी से ज्यादा जनसंख्या हिन्दीभाषी है, शेष में ज्यादातर लोग हिन्दी को समझते हैं। हिन्दी भाषा आज भारतीय जन अभिव्यक्ति का सबल माध्यम है। मध्यदेश की हिन्दी और उसकी बोलियों का प्रसार व्यापक है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को खोने का अर्थ सांस्कृतिक एकता, भारतीयता, भारतीय मानस, भारत की पहचान को भी खोना है। भारत की आत्मा भारत की भाषाओं और उनके साहित्य में बसती है। भारतीय चिंतन की धारा तिरुवल्लूर, नामदेव, शंकरदेव, तुलसीदास सबमें मिलती है। लोक-जीवन में सम्पर्क भाषा की भूमिका में हिन्दी काफी पहले से रही है।

अमेरिका-भारत संबंध : ये संदर्भ बहुत खास है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की आलोचना में तमाम गोते लगाने के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सबसे भरोसेमंद मित्र कह रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी हैं कि जिन्?होंने बहुत संतुलित भाषा में अपना स्पष्ट संदेश दिया है, जिसका सार यह है कि भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त हैं, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि भारत द्वारा कोई विशेष महत्व यूएस को दिया जाएगा।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और अमेरिका के रिश्तों की बुनियाद हमेशा से बहुआयामी रही है। कभी ये रिश्ते केवल रणनीतिक सहयोग तक सीमित नजर आते हैं, तो कभी ये ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा खरीद, तकनीक और वैश्विक मंच पर आपसी साझेदारी की नई परिभाषा गढ़ते हैं। किंतु जैसा कि हम सभी ने हाल के दिनों में देखा; कैसे भारत के विरोध में राष्?ट्रपति डोनाल्?ड ट्रंप ही नहीं उनके सलाहकार भी बयान दे रहे थे, इससे एक बात तो साफ है कि भारत अब अमेरिका के दबाव में आने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों और दीर्घकालिक रणनीतियों के अनुरूप फैसले ले रहा है, जिन्हें वॉशिंगटन स्?वीकार नहीं कर पा रहा। पर इसमें भी अब कुछ माह के तल्?ख संबंधों के बाद अमेरिका की ओर से फिर नरमी दिखना शुरू हो गई है। वस्तुतः यह स्थिति इसलिए भी खास है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की आलोचना में तमाम गोते लगाने के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सबसे भरोसेमंद मित्र कह रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी हैं कि जिन्?होंने बहुत संतुलित भाषा में अपना स्पष्ट संदेश दिया है, जिसका सार यह है कि भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त हैं, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि भारत द्वारा कोई विशेष महत्?व यूएस को दिया जाएगा। भारत समय-समय पर अपनी विदेश नीति को उसकी प्राथमिकताओं के हिसाब से बदलेगा। यही कूटनीतिक संतुलन अब भारत की ऊर्जा नीति में भी साफ नजर आ रहा है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) का हालिया निर्णय इस संतुलन की ठोस मिसाल है। आईओसी ने अमेरिका से बड़े पैमाने पर क्रूड आयात करने के बजाय पश्चिम अफ्रीका और मध्य पूर्व से तेल खरीदने का फैसला किया है। नाइजीरिया से अगबामी और उसान तेल ग्रेड के 20 लाख बैरल तथा अबू धाबी से दास क्रूड के 10 लाख बैरल खरीदकर भारत ने यह जता दिया है कि वह एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भर नहीं रहेगा। इससे पहले आईओसी अमेरिका से वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड के लगभग 50 लाख बैरल तक खरीदता था। अब इस पैमाने को घटाना और आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना न केवल एक आर्थिक कदम है, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है। देखा जाए तो यह फैसला अमेरिका के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वह वैश्विक स्तर पर क्रूड का बड़ा निर्यातक बन चुका है। ट्रंप प्रशासन भारत को अमेरिकी क्रूड का एक स्थायी और बड़ा बाजार मानता रहा है। लेकिन भारत ने अपने कदम से दिखा दिया है कि वह किसी एक देश की आर्थिक मजबूरियों या राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुसार नहीं चलेगा। यह बदलाव दरअसल भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा नीति का हिस्सा है, जो इस सिद्धांत पर आधारित है कि वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय संघर्षों के बीच केवल विविध स्रोतों और मजबूत आपूर्ति नेटवर्क से ही स्थिरता हासिल की जा सकती है। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूसी क्रूड खरीद कर पहले ही दिखा दिया था कि वह पश्चिमी दबाव को दरकिनार कर अपने आर्थिक हितों को प्राथमिकता देगा। रूस से सस्ता तेल खरीदने से भारत को प्रत्यक्ष लाभ हुआ लेकिन इसके कारण अमेरिका ने बेतुके टैरिफ लगा दिए और दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा। भारत ने इसका भी कूटनीतिक और आर्थिक जवाब ढूँढ लिया, तेल आयात के नए विकल्प तलाश कर। पश्चिम अफ्रीका और मध्य पूर्व से क्रूड खरीदने का फैसला इसी रणनीति का हिस्सा है। यह कदम न केवल अमेरिकी दबाव को कम करता है, बल्कि अफ्रीकी देशों के साथ भारत के संबंधों को भी मजबूत करता है। नाइजीरिया और अंगोला जैसे अफ्रीकी देश लंबे समय से स्थायी ग्राहकों की तलाश में हैं। वैश्विक ऊर्जा बाजार में प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है कि कई बार इन देशों को अपने उत्पादन के स्थायी खरीदार नहीं मिलते। भारत के इस कदम से उन्हें स्थिर आय और नया बाजार मिलेगा। इसके साथ ही मध्य पूर्व, विशेषकर अबू धाबी के साथ संबंध भी और प्रगाढ़ होंगे। अबू धाबी से खरीदा गया दास क्रूड 'डिलीवर्ड' आधार पर है, जबकि नाइजीरिया का तेल 'फ्री-ऑन-बोर्ड' आधार पर है। इसका मतलब है कि भारत अपनी शर्तों पर समझौते कर रहा है और आपूर्ति के जोखिम को भी संतुलित कर रहा है। यहाँ यह समझना जरूरी है कि भारत की ऊर्जा नीति केवल तेल तक सीमित नहीं है। यह दरअसल उसकी समग्र विदेश नीति का अहम हिस्सा है। जब ट्रंप भारत के सामने मित्रता की पेशकश करते हैं और मोदी उसके जवाब में संतुलित भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत स्तर की कूटनीति नहीं है। इसके पीछे भारत का व्यापक संदेश छिपा है कि वह किसी भी रिश्ते को ह्यविशेष निर्भरताह्न में नहीं बदलने देगा। अमेरिका के लिए यह सीख है कि भारत के साथ रिश्ते समानता और परस्पर सम्मान के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा निचोड़ यही है कि भारत अब ऊर्जा कूटनीति के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। वह न केवल विकल्प तलाश रहा है, बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी सौदेबाजी की शक्ति (इंर्ल्ल्ल्र्ल्ल्ॅ स्र्ङ्गह्वी१) भी बढ़ा रहा है। जब भारत अलग-अलग देशों से क्रूड खरीदेगा, तो उसकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ेगी। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर सीमित होगा और आपूर्ति की निरंतरता बनी रहेगी। यह स्थिति घरेलू ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्णायक साबित होगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत के इस कदम से अमेरिका को यह संदेश गया है कि उसके आर्थिक दबावों और टैरिफ नीतियों से भारत विचलित नहीं होगा। भारत मित्रता चाहता है, सहयोग चाहता है लेकिन किसी भी कीमत पर अपनी नीतिगत स्वतंत्रता नहीं छोड़ेगा। यही वह बिंदु है, जहाँ मोदी का संतुलित संदेश और आईओसी का रणनीतिक निर्णय एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। इसके साथ ही हमें इस सच्?चाई को भी स्?वीकारना होगा कि आज की वैश्विक राजनीति में ऊर्जा ही वह क्षेत्र है जो सबसे अधिक असर डालता है। यूरोप रूस पर निर्भरता के कारण संकट में फँसता है, चीन अपने तेल आयात के लिए मध्य एशिया और अफ्रीका पर पकड़ मजबूत करता है और अमेरिका अपनी शेल गैस क्रांति को निर्यात में बदल कर प्रभाव बनाए रखना चाहता है। ऐसे परिदृश्य में भारत का यह कदम उसे न केवल आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि उसे एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। अफ्रीका और मध्य पूर्व के साथ संबंध गहरे करने से भारत के लिए नए कूटनीतिक और आर्थिक अवसर खुलेंगे। कुल सार यह है कि भारत अब उस दौर से बाहर आ चुका है, जहाँ उसे अमेरिका या किसी भी महाशक्ति की स्वीकृति की आवश्यकता थी। आज भारत अपने हितों को सामने रखकर फैसले कर रहा है और दुनिया को अपनी शर्तों पर सहयोग के लिए तैयार करता है। अमेरिका या अन्?य देश कुछ भी कहें, किंतु आज के भारत की नीति यही कहती है, संवाद समानता की शर्त पर ही होगा। कहना होगा कि आईओसी का तेल आयात निर्णय इसी नए भारत की ऊर्जा और विदेश नीति का सबसे ताजा और ठोस उदाहरण है।

मिजोरम रेल नक्शे पर

मिजोरम भी इसी बदलाव का हिस्सा है। यह राज्य अपनी समृद्ध संस्कृति, खेल प्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। फिर भी, दशकों तक यह संपर्क की मुख्यधारा से दूर रहा। सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेलवे राजधानी तक नहीं पहुंच पाई थी।

कई दशकों तक उत्तरझ्रपूर्व को एक दूरस्थ इलाका माना जाता था, जहाँ विकास की राह देखी जाती रही।हमारे भाईझ्रबहन उम्मीदों के साथ जीते थे, लेकिन उन्हें वह बुनियादी ढांचा और अवसर नहीं मिल पाए जिसके वे हकदार थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह तस्वीर बदली है। जो इलाका कभी दूर का फ्रंटियर कहा जाता था, वह आज भारत की तरक्की का फ्रंटझ्ररनर बनकर उभरा है।

अश्विनी वैष्णव

शांति, समृद्धि और प्रगति

यह बदलाव रेलवे, सड़कें, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश की वजह से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे लोगों तक पहुँच रहा है। आजादी के बाद पहली बार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भारत की विकास यात्रा का केंद्र माना जा रहा है। रेलवे में किए गए निवेश को ही देख लीजिए। 2009 से 2014 की तुलना में क्षेत्र के लिए रेलवे बजट पाँच गुना बढ़ा है। सिर्फ इस वित्तीय वर्ष में ही 10,440 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 2014 से 2025 तक कुल बजट आवंटन 62,477 करोड़ रुपये रहा है। आज यहाँ 77,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं। इससे पहले उत्तर-पूर्व ने इतना बड़ा निवेश कभी नहीं देखा था।

मिजोरम की पहली रेल लाइन

मिजोरम भी इसी बदलाव का हिस्सा है। यह राज्य अपनी समृद्ध संस्कृति, खेल प्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। फिर भी, दशकों तक यह संपर्क की मुख्यधारा से दूर रहा।

सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेलवे राजधानी तक नहीं पहुंच पाई थी। लोगों के सपने थे, लेकिन विकास की राहें अधूरी थीं। अब ऐसा नहीं है। अब हालात बदल चुके हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों कल बैराबीझ्रसैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। 51 किलोमीटर लंबी यह परियोजना 8,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनी है और पहली बार आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री सैरांग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिजोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइजोल इंटरसिटी) के लिए तीन नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे लाइन कठिन पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है। रेल इंजीनियरों ने मिजोरम को जोड़ने के लिए 143 पुल और 45 सुरंगें बनाई हैं। इनमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। दरअसल, इस इलाके में, जैसे अन्य हिमालयी रेल परियोजनाओं में होता है, रेलवे लाइन लगभग पूरी तरह पुल और सुरंगों के क्रम से बनी है – एक पुल, फिर एक सुरंग, फिर दोबारा पुल, और इसी तरह आगे।

हिमालय सुरंग निर्माण विधि

उत्तरझ्रपूर्व हिमालय युवा और नाजुक पहाड़ हैं। यहाँ जमीन कठोर चट्टानों की जगह मुलायम मिट्टी और जैविक सामग्री से बनी है। ऐसी स्थिति में सुरंग और पुल बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। पारंपरिक तरीके यहां काम नहीं कर सकते थे, क्योंकि ढीली मिट्टी निर्माण का भार सहन नहीं कर पाती। इस समस्या को दूर करने के लिए हमारे इंजीनियरों ने एक नया और अनोखा तरीका विकसित किया, जिसे अब हिमालयन टनलिंग मेथड कहा जाता है। इस तकनीक में पहले मिट्टी को स्थिर और मजबूत किया जाता है, फिर सुरंग और निर्माण का काम किया जाता है। इससे क्षेत्र की सबसे कठिन परियोजनाओं में से एक को पूरा करना संभव हुआ। एक और बड़ी चुनौती ऊँचाई पर पुलों को टिकाऊ बनाना था, क्योंकि यह क्षेत्र भूकंप प्रभावित है। इसके लिए भी विशेष डिजाइन और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया, जिससे पुल सुरक्षित और मजबूत बन सके। यह स्वदेशी नवाचार दुनिया भर में ऐसे ही भौगोलिक इलाकों के लिए एक मॉडल है। हजारों इंजीनियरों, मजदूरों और स्थानीय लोगों ने मिलकर इसे संभव बनाया। भारत जब निर्माण करता है, तो दूरदृष्टि और समझदारी के साथ करता है।

क्षेत्र को लाभ

रेलवे को विकास का इंजन माना जाता है। यह नए बाजारों को करीब लाता है और व्यापार के अवसर पैदा करता है। नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों का जीवन स्तर सुधारेगी। राजधानी एक्सप्रेस की शुरूआत के साथ ही आइजोल और दिल्ली के बीच सफर का समय 8 घंटे कम हो जाएगा। नई एक्सप्रेस ट्रेनें आइजोल, कोलकाता और गुवाहाटी के बीच की यात्रा को भी तेज और आसान बनाएंगी। किसान, खासकर जो बांस की खेती और बागवानी से जुड़े हैं, वे अपनी उपज को तेजी से और कम लागत पर बड़े बाजारों तक पहुंचा पाएंगे। अनाज और खाद जैसे जरूरी सामान की ढुलाई भी आसान होगी। पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि मिजोरम की प्राकृतिक सुंदरता तक पहुंचना और सुविधाजनक हो जाएगा। इससे स्थानीय कारोबार और युवाओं के लिए नए अवसर बनेंगे। यह परियोजना लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार तक बेहतर पहुंच भी देगी। मिजोरम के लिए यह कनेक्टिविटी सिर्फ सुविधाएँ ही नहीं, उससे कहीं अधिक लेकर आएगी।

पूरे देश में विकास

देशभर में रेलवे में रिकॉर्ड स्तर पर बदलाव हो रहा है। हाल ही में 100 से अधिक अमृत भारत स्टेशन का उद्घाटन किया गया। साथ ही 1200 और स्टेशन तैयार हो रहे हैं। ये स्टेशन यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं देंगे और शहरों को नए विकास केंद्र बनाएंगे। 150 से ज्यादा चल रहीं हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें यात्री सुविधा के नए मानक स्थापित कर रही हैं। साथ ही, लगभग पूरे नेटवर्क का विद्युतीकरण रेलवे को और हरित बना रहा है। 2014 से अब तक 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई जा चुकी हैं। यह उपलब्धि पिछले छह दशकों के कुल काम से भी अधिक है। सिर्फ़ पिछले साल ही 3,200 किलोमीटर नई रेल लाइनें जोड़ी गईं। विकास की यह गति और बदलाव उत्तर-पूर्व में भी साफ दिखाई दे रहा है। पूर्वोत्तर का विकास विजन

प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमारे लिए पूर्व (एअरळ) का मतलब है झ एम्पॉवर (सशक्त बनाना), एक्ट (कार्य करना), स्ट्रेंथन (मजबूत बनाना) एंड ट्रांसफॉर्म (बदलना)। ये शब्द पूर्वोत्तर के प्रति उनके दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करते हैं। कई क्षेत्रों में निर्णायक कदमों ने इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव सुनिश्चित किया है। असम में टाटा का सेमीकंडक्टर प्लांट, अरुणाचल प्रदेश में टाटो जैसी जलविद्युत परियोजनाएं और बोगीबील रेल-सह-सड़क पुल जैसी ऐतिहासिक संरचनाएं इस क्षेत्र का रूप बदल रही हैं। इसके साथ ही, गुवाहाटी में एम्स की स्थापना और 10 नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों ने स्वास्थ्य सुविधाओं और संपर्क को मजबूत किया है।

फ्रंटियर से फ्रंट-रनर

कई दशकों तक मिजोरम के लोगों ने सड़कों, स्कूलों और रेलवे के लिए इंतजार किया है। अब वह इंतजार खत्म हुआ है। ये परियोजनाएं हमारे प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर के प्रति विजन का प्रमाण हैंः एक ऐसा क्षेत्र जिसे कभी फ्रंटियर (सीमान्त) माना गया परन्तु अब फ्रंट-रनर (अग्रणी) के रूप में उभरा है।

(लेखक, भारत सरकार में रेल, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री हैं।)

पितृ ऋण से मुक्ति का पुण्यकाल है पितृ पक्ष

हिंन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है ह्यश्रद्धापूर्वकह्न। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में ह्यमहालयह्न या ह्यकनागतह्न के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

टिप्स

सुबह की भागदौड़ में नाश्ते की टेंशन खत्म! 10 मिनट में बनाएं प्रोटीन से भरपूर मल्टीग्रेन चीला

सुबह के नाश्ते के लिए हमेशा टेंशन बनीं रहती है क्या बनाया जाए। सुबह-सुबह भागदौड़ लगी रहती है ब्रेकफास्ट बनाने की, बच्चों को स्कूल छोड़ने की और घर के भी सारे काम होते हैं। ऐसे में कई बार लोग ऑफिस जाते समय नाश्ता नहीं करपाते क्योंकि उनके पास समय की कमी रहती है। कई बार तो लेट न हो जाएं इसलिए भी बना हुआ नाश्ता भी छुट ही जाता है। रास्ते में हम कुछ खाने की चीज ले लेते हैं, लेकिन इससे हमारे सेहत पर काफी नुकसान पड़ता है। अब नाश्त में जल्दी बनने वाला मल्टीग्रेन चीला को बनाएं। झटपट से यह बन जाता है और स्वाद भी इसका लाजवाब होता है इसके साथ ही चीला खाना भी काफी लोगों को पसंद होता है। मल्टीग्रेन चीला खाने बॉडी को कई सारे न्यूट्रिशन मिलते हैं और यह हेल्थ के लिए भी बढ़िया है। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

मल्टीग्रेन चीला बनाने के लिए सामग्री

- 1/2 कप गेंहू का आटा
- 1/4 कप बेसन (चने का आटा)
- 1/4 कप ज्वार या बाजरे का आटा
- प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च बारीक कटी हुई
- 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- नमक स्वादानुसार

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

दवा खिलाने से पहले और बाद में बच्चों को साबुन-पानी से हाथ धोना अनिवार्य है : डॉ. रामदेव

साहिबगंज : राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु आज दिनांक 12 सितम्बर, 2025 को सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान की अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में अनुमंडल अस्पताल राजमहल के उपाधीक्षक और जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी 16 सितम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत प्रमुख बातें1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों,किशोरों को कृमि नियंत्रण की दवा एल्बेंडाजॉल निःशुल्क दी जाएगी।

यह दवा जिले के सभी स्कूलों व आंगनवाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध कराई जाएगी।गैर-पंजीकृत व स्कूल न जाने वाले बच्चों को भी नजदीकी आंगनवाड़ी केन्द्र में दवा खिलाई जाएगी।दवा वितरण के समय ध्यान रखने योग्य बातें दवा खिलाने से पहले और बाद में बच्चों को साबुन-पानी से हाथ धोना अनिवार्य।1झ्र2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली पानी में चूरा कर,2झ्र3 वर्ष के बच्चों को पूरी गोली पानी में चूरा कर।,3झ्र19 वर्ष के बच्चों को पूरी गोली चबाकर खिलाई जाएगी।

दवा घर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। बच्चों को शिक्षक,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति में ही दवा दी जाएगी।महत्वपूर्ण निर्देश बीमार बच्चों अथवा किसी दवा का सेवन कर रहे बच्चों को एल्बेंडाजॉल न दें।खांसी, बुखार, सांस फूलना आदि लक्षण वाले बच्चों को दवा नहीं खिलाई जाएगी।दवा भोजन के साथ ही दी जाएगी, खाली पेट नहीं।बच्चों को दवा अच्छी तरह चबाकर खाने की सलाह दें।प्रतिकूल घटनाओं का प्रबंधन,सामान्य लक्षणः जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, हल्का पेट दर्द, थकान।उपाय बच्चे को आराम करने दें, साफ पानी पिलाएं और निगरानी में रखें।यदि गोली गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल गोद में लिटाकर पीठ थपथपाएं।आपात स्थिति में 104 टोल फ्री हेल्पलाइन अथवा 108 एम्बुलेंस सहायता पर संपर्क करें।सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने सभी शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की है कि इन दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके और बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जा सके।

निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद को महिला ओबीसी के लिए सुरक्षित करने की मांग की है : गरिमा साह

साहिबगंज : भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष गरिमा साह ने शुक्रवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आयोग के अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर महिला और ओबीसी सशक्तिकरण की मांग की।ज्ञापन में उन्होंने जिला में ओबीसी कार्यालय खोलने और निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद को महिला ओबीसी के लिए सुरक्षित करने की मांग की है।गरिमा ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में ओबीसी कार्यालय खोलने से इस वर्ग के लोगों को बल मिलेगा।कहा कि शहर में ओबीसी की संख्या को ध्यान में रख महिलाओं को शसक्त बनाने के लिए नगर निकाय की सीट ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए।

आगामी लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर दिया बल

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती के अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में नमामि गंगे परियोजना एवं गंगा घाट विकास से संबंधित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आज संपन्न हुई। बैठक में परियोजना की प्रगति, घाटों के सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण आवर्ती गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान घाटों पर आवश्यक सुविधाओं का विकास, पर्यावरणीय उपायों का क्रियान्वयन अव संरचना के रख-रखाव स्व-वित्त पोषण की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही परियोजना के आगामी लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया गया।उपायुक्त महोदय ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय व सहयोग के साथ कार्य करते हुए परियोजना के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गंगा घाटों की स्वच्छता सुन्दरता एवं सतत विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक है।जिसके लिए जागरूकता और समुदाय की सक्रिय सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में घाटों की नियमित देखरेख, पर्यावरण संतुलन तथा पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त परियोजना से जुड़ी गतिविधियों को पारदर्शी परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ाने का आग्रह किया गया।इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री महादेव मुर्मू, जिला कृषि पदाधिकारी श्री प्रमोद एक्का, नगर प्रशासक श्री अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं तकनीकी प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

जितिया व्रत महापर्व है जिसमें महिलाएं मछली और विशिष्ट सागों का सेवन करती हैं : डॉ कुणाल

संवाददाता

साहिबगंज : मिथिलांचल का जितिया व्रत महापर्व है. जिसमें महिलाएं मछली और विशिष्ट सागों का सेवन करती हैं. यह पुत्र की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए किया जाता हैं दरभंगा मिथिलांचल का प्रसिद्ध पर्व जितिया काफी चर्चित है.इसे महापर्व नाम से संबोधित किया जाता है क्योंकि यह सबसे कठिन पर्व माना जाता है।इस पर्व में जल ग्रहण करने से भी व्रत भंग हो जाता है, ऐसी मान्यता है.लेकिन इस पर्व को करने से पहले महिलाएं मछली का सेवन करती हैं,जो अपने आप में अनोखा है आइए जानते हैं इसके पीछे का रहस्य और क्या कहता है शास्त्र इसलिए कहा जाता है। महा जितिया व्रत ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.कुणाल कुमार झा बताते हैं कि यह व्रत ह्यमहाह्न शब्द के साथ जुड़ा होता है।इसलिए इसे महा जितिया व्रत कहा जाता है। इस पर्व में व्रत करने से पहले अनेक विधान होते हैं।जिस प्रकार अन्य व्रतों में अभक्ष्य पदार्थों का त्याग किया जाता है।जैसे लहसुन, प्याज, मरूवा, साग इत्यादि, लेकिन जितिया व्रत में खासकर मछली का विधान है. इसके साथ मरूआ का भी विधान है। जिसे मछली के साथ ग्रहण करते हैं. इसके बाद नोनी का साग और कर्मी का साग, जिसे मछली के समतुल्य माना गया है। उसका सेवन करके यह व्रत किया जाता है।शाकाहारी लोगों के लिए विशेष व्यवस्था जो शाकाहारी लोग होते हैं, उनके लिए कर्मी का साग और नोनी का साग जिसे मछली के समतुल्य माना गया है।उसका सेवन किया जाता है। यह इसलिए किया जाता है ताकि जितने भी अशुभत्व जन्य दोष हैं, जो संतान के पक्ष में और परिवार में, हमारे कुल में हैं।उन अशुभत्व जन्य दोषों को समाप्त करने के लिए महिला जो व्रत करती है, वह अपने ऊपर ले लेती है। वृश्चिक राशि वालों के लिए आज सूर्य चमकाएगा किस्मत, मंगल से धन की प्राप्ति वृश्चिक राशि वालों के लिए आज सूर्य चमकाएगा किस्मत, मंगल से धन की प्राप्ति आज वृश्चिक राशि वालों के लिए मंगलकारी है मंगल ग्रह, राहु से खतरा, करें ये उपाय आज वृश्चिक राशि वालों के लिए मंगलकारी है मंगल ग्रह, राहु से खतरा,करें ये उपाय

पुत्र की लंबी उम्र और परिवार की होगी रक्षा, जितिया व्रत में करें ये उपाय पुत्र की लंबी उम्र और परिवार की होगी रक्षा जितिया व्रत में करें ये उपाय मानसिक क्लेश, धन व संतान पक्ष में हानि के योग मानसिक क्लेश, धन व संतान पक्ष में हानि के योग वैज्ञानिक दृष्टिकोण जितिया व्रत का महत्वयह व्रत पुत्र प्राप्ति के लिए विशेष प्रखर माना जाता है. या जिसे पुत्र की प्राप्ति हो गई होती है।वह अपने पुत्र की लंबी आयु के लिए इस व्रत को धारण करती है। मिथिलांचल में यह व्रत अत्यंत श्रद्धा और निष्ठा से किया जाता है.करतीं हैं ये कामना मिथिलांचल की परंपरा मिथिलांचल में जितिया पर्व एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक अवसर है।यहां की महिलाएं इस व्रत को बड़ी श्रद्धा से करती हैं।अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी उम्र की कामना करती हैं।जितिया व्रत मिथिलांचल की एक अनोखी और महत्वपूर्ण परंपरा है,जिसमें मछली और विशिष्ट सागों का सेवन करने का विशेष विधान है।यह व्रत न केवल धार्मिक महत्व रखता है,बल्कि इसमें सांस्कृतिक और पारंपरिक पहलू भी हैं जो इसे और भी विशेष बन जितिया से पहले क्यों खाई जाती मछली? रात में होता है उठगन, छुपा है ये खास कारण,राशि-धर्म और शास्त्रों के आधार पर ज्योति षाचार्य और आचार्यों से बात करके लिखी गई है. किसी भी घटना-दुर्घटना या लाभ-हानि महज संयोग है।ज्योतिषाचार्यों की जानकारी सर्वहित में है क्या घर में शिवलिंग पर जलाधारी रखना जरूरी है? मंदिर और घर के शिवलिंग में क्या है अंतर घर में शिवलिंग पर जलाधारी की जरूरत इसलिए नहीं होती क्योंकि वह चलित होता है और आसानी से साफ किया जा सकता है। मंदिर में शिवलिंग स्थाई होता है। इसलिए वहां जलाधारी आवश्यक होती है। भारत की धार्मिक परंपराओं में शिवलिंग की पूजा का खास महत्व है।मंदिर हो या घर, शिवलिंग को भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है। मंदिरों में आपने देखा होगा कि शिवलिंग के साथ जलाधारी जरूर होती है।जिस पर जल, दूध या अन्य वस्तुएं चढ़ाकर भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है।लेकिन जब बात घर में रखे गए शिवलिंग की आती है।तो अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि आखिर घर में जलाधारी क्यों जरूरी नहीं होती? कई लोग भ्रमित भी हो जाते हैं कि बिना जलाधारी शिवलिंग रखना सही है या नहीं. इस सवाल का जवाब बहुत ही आसान और सीधा है।जिसे समझना जरूरी है। ताकि पूजा में कोई संदेह न रहे। आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य अंशुल त्रिपाठी से.शिवलिंग पूजा विधि मंदिर और घर के शिवलिंग में फर्क मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्थाई माना जाता है। वहां हर दिन भक्तों की भीड़ होती है और शिवलिंग पर लगातार जल, दूध और अन्य चीजें चढ़ाई जाती हैं. इसी वजह से मंदिर में जलाधारी लगाई जाती है ताकि सारा जल और तरल पदार्थ एक दिशा में बह सके और मंदिर परिसर साफ-सुथरा बना रहे।वहीं घर का शिवलिंग चलित माना जाता है। यानी उसे आप कभी भी स्थानांतरित कर सकते हैं। पूजा थाली में रख सकते हैं, धो सकते हैं और वापस अपनी जगह पर रख सकते हैं। इसलिए घर में जलाधारी का होना अनिवार्य नहीं माना जाता। शमी पत्र पूजा से दूर होंगी परेशानियां, अनंत चतुर्दशी पर अपनाएं सरल और प्रभावशाली उपाय घर में पूजा का भाव ही सबसे बड़ा

शास्त्रों में भी कहा गया है कि भगवान शिव भक्ति और भाव से प्रसन्न होते हैं। घर में रखे छोटे या बड़े किसी भी आकार के शिवलिंग पर आप सीधे जल चढ़ा सकते हैं। यहां जलाधारी न हो तो भी पूजा अधूरी नहीं मानी जाती असली मायने इस बात के हैं कि आप कितनी श्रद्धा और सच्चे मन से पूजा कर रहे हैं.

किस तरह का शिवलिंग घर में रखा जा सकता है?

घर में शिवलिंग रखने के लिए नरवदेश्वर शिवलिंग, पारद शिवलिंग, मार्बल, तांबे या पीतल का शिवलिंग रखा जा सकता है. आकार चाहे छोटा हो या बड़ा, सबसे जरूरी है कि उसे साफ-सुथरे और पवित्र स्थान पर स्थापित करें।जलाधारी लगाने का विकल्प

अगर कोई व्यक्ति चाहे तो घर में भी जलाधारी लगा सकता है इसमें कोई रोक नहीं है।यह पूरी तरह आपकी श्रद्धा और सुविधा पर निर्भर करता है.लगाना चाहें तो भी सही,न लगाना चाहें तो भी पूजा पूरी मानी जाएगी।

अयोध्या धाम परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के भरतिया कॉलोनी स्थित अयोध्या धाम परिसर में शुक्रवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस शिविर में जरूरतमंद लोगों की आँखों की जांच की गई और अगले सप्ताह जांच के उपरांत निशुल्क चश्मा भी वितरित किया जाएगा।इस कार्यक्रम का आयोजन बाबू अर्जुन हर्बल मेडिकल एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन की ओर से कराया गया है,जिसके मुख्य आयोजक भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव हैं।इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराकर नेत्र जांच कराया!नेत्र जांच शिविर में जरूरतमंद लोग इसका भरपूर लाभ ले रहे है।सभी लाइन में लग कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।कार्यक्रम के आयोजक बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया कि साहिबगंज जिले के आलवे पड़ोसी राज्य बिहार के कहलगांव,पीरपैंती,मधुबन,बाराहाट,बाखरपूरा से लोग अपनी आंख जांच कराने आये है.उन्होंने कहा की यह एक समाजिक कार्य है

और इस कार्य को करके उन्हें असीम सुख की अनुभूति मिलती है!श्री यादव ने कहा की जिस तरह से शिविर में हजारों की संख्या में लोग नेत्र जांच करने पहुंचे हैं। उससे लगता है की साहिबगंज और उसके आसपास के इलाकों में लोग नेत्र की समस्या से पीड़ित है!ऐसे में इस निशुल्क नेत्र जाँच शिविर के आयोजन से खासकर वैसे लोगो को जो आर्थिक रूप से कमजोर है। उनको इस शिविर से निश्चित रूप से लाभ मिलेगा.बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया की इसी तरह का अगला निशुल्क जांच शिविर का आयोजन 13 सितंबर को भीडीजे क्लब राजमहल मे किया गया।श्री यादव ने वहां भी अधिक से अधिक संख्या में लोगों से पहुँचने की अपील की गई है।शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ.ए.एन.चक्रवर्ती और डॉ.राजकुमार साह समेत उनकी पूरी टीम द्वारा मरीजों की आँखों की जांच किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी राजेश प्रसाद यादव,प्रदेश यादव महासभा के जिला अध्यक्ष भरत यादव,शंभूनाथ यादव,अशोक यादव,कृष्ण शर्मा,करण यादव,ब्रह्मदेव यादव,शत्रुघन यादव पवन सिंह,कुंदन पासवान सहित कई लोग लगे थे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय साहिबगंज में आयोजित हुई अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी

साहिबगंज : नगर क्षेत्र के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय साहिबगंज में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया !कार्यक्रम की शुरूआत जे ई पी सी राँची राज्य प्रतिनिधि संजय कुमार तिवारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा,अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी जेड्ढ केड्ढ मिश्रा,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।विद्यालय की बच्चियों ने संगीत शिक्षिका संध्या किरण के नेतृत्व में स्वागत गीत प्रस्तुत की।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने डॉ दुगार्नंद झा ने उपस्थित अभिभावकों से अपील की कि अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें तभी सम्यक विकास संभव हो सकेगा।राज्य प्रतिनिधि संजय कुमार तिवारी ने उपस्थित अभिभावकों से सीधे संवाद स्थापित किए एवं उन्हें अपने बच्चों के प्रति संवेदनशील बने रहने की सलाह दी।भारतीय सेवा से संबंध रखने वाले अभिभावक दिवाकर कर्मकार ने अभिभावकों से अपील की कि हम सबों के सहयोग से ही विद्यालय में सकारात्मक माहौल बनेगा।मंच संचालन शिक्षक मनोहर शर्मा ने किया !वही कार्यक्रम मे शत प्रतिशत उपस्थिति वाली बच्चियों के माता-पिता को बुके,प्रशस्ति पत्र एवं सुपर मोम क्राउन पहनाकर सम्मानित किया गया।वही कार्यक्रम समाप्ति के बाद धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी ने अभिभावकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उन्हें विद्यालय और बच्चों के हित में कार्य करने की अपील की।मौके पर विद्यालय प्रबंधक विमल पांडे,पूर्व प्रभारी सुमना राय,शिक्षक कुमार बागीश,शिक्षिका गीता कुमारी,गीता गुप्ता,रेनू कुमारी,रीता कुमारी एसएमसी अध्यक्ष पूनम कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में जिले से 10 चयनित

उपायुक्त हेमंत सती ने खिलाड़ियों दी बधाई मिलकर बढ़ाया हौसला

संवाददाता

साहिबगंज : एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली के निर्देश के आलोक में झारखंड एथलेटिक्स संघ,रांची के द्वारा आगामी 22 से 24 सितम्बर तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम,मोराबादी,रांची आयोजित होने वाली 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पश्चिम बंगाल, उड़ीसा,बिहार,असम, मिजोरम,सिक्किम,मणिपुर नागालैंड,त्रिपुरा,मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,अंडमान निकोबार समेत मेजबान झारखंड टीम भाग लेगी।इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले झारखंड राज्य की टीम में जिले में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र सिदो कान्हु स्टेडियम के 05 एथलीट, 01 प्रशिक्षक समेत डे बोर्डिंग एथलेटिक्स केंद्र के पूर्व एथलीट समेत जिले से कुल 10 को राज्य टीम में शामिल किया गया है। जो जिले के लिए गौरव का पल है। पहली बार जिले

से इतनी संख्या में भागेदारी हो रही है।खेल विभाग द्वारा 11 सितंबर से 21 सितंबर तक फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी, रांची में खेल कूद एवम युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची द्वारा विशेष कोचिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप एवं प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों को उपायुक्त श्री हेमंत सती ने समाहरणालय परिसर कार्यालय कक्ष में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।जिले से चयनित खिलाड़ी बालक - अंडर 14- संतोष मुर्मू -ट्रायथलॉन ग्रुप -ए ,बालक - अंडर 16- परमा हांसदा-पेंटाथलन एवं लंबीकूद

बालक - अंडर 16 - एमानुएल किस्कू - 80 मीटर हर्डल्स ,बालक - अंडर 20 - सोनोत मरांडी - 5000 मीटर ,3000 मीटर स्टीपलचेस बालक - अंडर 16 - पृथ्वी राज मंडल- जेवलिन थ्रो,बालक - अंडर 18 - विवेक यादव- जेवलिन थ्रो,बालक - अंडर 20 - नीरज यादव- जेवलिन थ्रो,बालिका - अंडर 16 - काजल कुमारी- जेवलिन थ्रो ,बालिका- अंडर 20 - हुस्न आरा प्रवीण - लंबी कूद प्रशिक्षक राज्य टीम योगेश यादव । वहीं 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पर्यटन, कला संस्कृति खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम ,मोराबादी ,रांची में 29-31अगस्त तक आयोजित राज्य स्तरीय खेल महोत्सव में जिले से ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त करने वाले जमादार केरई एवं लंबी कूद में कांस्य पदक जीतने वाले संतोष मुर्मू को सम्मानित किया।इस मौके पर खेल विभाग के प्रशिक्षक योगेश यादव समेत अन्य मौजूद थे।

आशिकी ओटीटी के बाद अब बॉलीवुड डेब्यू करेंगे

रित्विक भौमिक

छोटे पर्दे और डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता रित्विक भौमिक अब सिल्वर स्क्रीन पर कदम रखने जा रहे हैं। बंदिश बैंडिट्स के जरिए दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले रित्विक जल्द ही अपनी पहली हिंदी फिल्म 'अभूतपूर्व' में नजर आएंगे। यह फिल्म रोमांटिक हॉरर कॉमेडी होगी, जिसकी कहानी 90 के दशक के आगरा की गलियों से शुरू होती है।

डिजिटल स्टार से फिल्मी हीरो तक

रित्विक भौमिक ने अमेजन प्राइम की म्यूजिकल वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' (2020) में राधे राठौर का किरदार निभाया, जिसके बाज उनकी पहचान बनी। इसके बाद रित्विक ने 'मजा मा' (2022) और 'खाकी- द बंगाल चैप्टर' (2023) जैसी प्रोजेक्ट्स में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। अब, फिल्मों में डेब्यू के साथ उनका करियर एक नए मोड़ पर पहुंचने वाला है।

'अभूतपूर्व' में खास किरदार

इस फिल्म में रित्विक 'अभय' नाम के युवक का रोल निभाएंगे। कहानी एक ऐसी मोहब्बत के इर्द-गिर्द घूमती है जो जिंदगी और मौत की बंदिशों के आगे बढ़ जाती है। आगरा के बैकड्रॉप पर बनी इस फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण दिखाया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर हुआ ऐलान

शनिवार को फिल्म से रित्विक का पहला लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया। पोस्ट के साथ लिखा गया था कि यह कहानी एक ऐसी प्रेमकथा है जो अब तक न कही गई और न सुनी गई। यह झलक दर्शकों को फिल्म की दुनिया का अहसास कराने के लिए थी, जबकि पूरा सफर उन्हें सिनेमाघरों में दिखाई देगी।

फिल्म का प्रोडक्शन

फिल्म 'अभूतपूर्व' का निर्माण ख्याति मदान की कंपनी नॉट आउट एंटरटेनमेंट कर रही है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट और टीम से जुड़े डीटेल्स सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह निश्चित है कि इसे बड़े पैमाने पर पेश किया जाएगा।

पंचायत 5 का बेसब्री से

इंतजार कर रहीं हैं सानविका

प्राइम वीडियो की सीरीज पंचायत के अगले सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस साल जून में सीरीज का चौथा सीजन रिलीज हुआ अब दर्शक पंचायत 5 के इंतजार में हैं, जिसका एलान हो चुका है। दर्शक ही नहीं, पंचायत की रिंकी भी पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हैं। हालिया पोस्ट के जरिए उन्होंने यह खुद कहा है। रिंकी का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस सानविका ने शुक्रवार को अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ लिखा है, मैं पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हू उनके पोस्ट पर कमेंट करते हुए नेटिजन्स पूछ रहे हैं, पांचवां सीजन कब आएगा।

चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ

मैं वफ़ादार रहूँगी

बोल्ड चॉइसेज़ और बेबाक अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत, जिन्होंने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है, अब एक बिल्कुल नए सफर की शुरुआत कर रही हैं–अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ। अपनी अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी और वर्सेटिलिटी के लिए मशहूर एक्ट्रेस अब ऐसे मंच पर खुद को आज़मा रही हैं जहाँ अनप्रिडिक्टेबिलिटी ही असली नियम है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने इस सफर के मायने बताए। अपनी ईमानदारी और गहराई से भरे अंदाज़ में उन्होंने कहा-मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है। मेरी ज़िंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूँ तो कभी मेहनतकश इंसान। मैं एक भरोसेमंद, ज़िम्मेदार इंसान हूँ। चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ, मैं वफ़ादार रहूँगी। और हम ज़रूर उठेंगे। उनका यह बयान बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी उम्मीद उनके फैंस उनसे करते हैं– हिम्मत, यक़ीन और अटूट जज़्बा। यह राइज़ एंड फॉल के फॉर्मेट को भी बखूबी दर्शाता है, जहाँ कंटेस्टेंट्स को ऊँचाइयों और गहराइयों से गुज़रते हुए, लॉयल्टी, स्ट्रैटेजी और एडैप्टेबिलिटी की असली परीक्षा देनी पड़ती है। यह मौका है स्क्रिप्ट्स और किरदारों को पीछे छोड़कर खुद को असली और अनफ़िल्टर्ड रूप में पेश करने का। उनके शब्द यह जताते हैं कि वह केवल सर्वाइव ही नहीं करना चाहतीं, बल्कि मुश्किलों के बावजूद मजबूती से खड़ी होकर जीतना चाहती हैं। राइज़ एंड फॉल के साथ, कुब्रा अपने शानदार करियर में एक और अध्याय जोड़ रही हैं। फिल्मों और वेब-शोज़ में अपने स्टैंडआउट परफ़ॉर्मेंस की तरह ही अब वह रियलिटी शो की अनिश्चित दुनिया में भी उतनी ही ऊर्जा के साथ कदम रख रही हैं।

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू

बस उसी की बनकर वाले कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान

टीवी से लेकर वेब सीरीज तक, जिया शंकर उन चेहरों में से एक हैं जिन्होंने कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। उनकी मासूम मुस्कान और दमदार अभिनय ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाई है। वह अपने स्टाइल और लुक्स को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर को लाखों लोग पसंद करते हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट पोस्ट किया, जिसने फैंस को फिर एक बार उनका दीवाना बना दिया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई फोटोशूट में जिया शंकर ने रेड कलर की पारंपरिक साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है। साड़ी से ज्यादा ध्यान उनके ब्लाउज ने खींचा है। ब्लाउज पर सुंदर सी कढ़ाई हुई है और बाजुओं पर सफेद हंस का डिजाइन बना हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किए हुए हैं, जो उनके चेहरे को और भी निखार रहे हैं। इस लुक पर उन्होंने मेकअप भी बहुत हल्का और सॉफ्ट रखा है। गुलाबी लिपस्टिक, हल्का आईशैडो और काजल के साथ उनकी मुस्कान दिल को छू रही है।

आशिकी 3 को लेकर मोहित सूरी ने तोड़ी चुप्पी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने हाल ही में बताया कि वो आशिकी 3 खुद डेवलप कर रहे थे, लेकिन खराब स्ट्राइक रेट की वजह से उन्हें इससे बाहर कर दिया गया। शुभंकर मिश्रा के साथ बातचीत में सूरी ने कहा कि वह आशिकी 3 डायरेक्ट करना चाहते थे, लेकिन स्टूडियो ने फैसला किया कि वह उनके बिना आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरा इंतजार नहीं किया कि मैं स्क्रिप्ट को फाइन-ट्यून करूं। यह सच है कि उन्होंने हाल की फ्लॉप फिल्मों के आधार पर मुझे जज किया। यहां तक कि मेरे अपने परिवार वाले, जो डिसीजन में शामिल थे, इंतजार करने को तैयार नहीं थे। मैं उन्हें दोष नहीं देता, यह बिजनेस है, लेकिन मैं उन्हें गलत साबित करना नहीं चाहता था, मैं खुद को गलत साबित करना चाहता था।

आशिकी 2 का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। फिल्म को टी-सीरीज फिल्म्स और विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया था। आशिकी 2 का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। फिल्म को टी-सीरीज फिल्म्स और विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया था। मोहित ने मेंटल प्रेशर पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जब आप लो होते हैं तो किसी की मत सुनो, वर्ना और नीचे गिर जाओगे। बीस साल काम करने के बाद जब फिल्म फ्लॉप हो जाए तो डर लगता है कि अच्छा वक्त पीछे छूट गया है। लोग पहले ही ऐसा कहना शुरू कर चुके थे। मोहित सूरी ने माना कि बॉक्स ऑफिस हिट के पीछे भागते-भागते असली रास्ता छूट गया। उन्होंने कहा, एक विलेन 2 में मैं सिर्फ बॉक्स टिक कर रहा था, सीक्वल बना रहा था, गानों का रीमिक्स कर रहा था, कई लीड्स कास्ट कर रहा था। मैं 16 करोड़ की ओपनिंग दोहराना चाहता था, लेकिन गलत वजह से फिल्म बना रहा था। नतीजा सबके सामने है।

मोहित सूरी ने यह भी कहा कि आशिकी 3 और आवारापन 2 खोने के बाद भी उन्हें अफसोस नहीं है। उन्होंने कहा, आशिकी मैं आदित्य और श्रद्धा के बिना कैसे बना सकता हूं? पहली फिल्म ने बड़ी ओपनिंग नहीं ली थी, लेकिन धीरे-धीरे कल्ट बन गई। आज ब्रांड नेम से प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं। मुझे नहीं लगता मैं अब उस जगह फिट बैठता हूं। फिलहाल यह प्रोजेक्ट अनुराग बसु डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें कार्तिक आर्यन और श्रीलीला नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म को अब तक आधिकारिक तौर पर आशिकी 3 नाम नहीं दिया गया है।

साभार एजेंसी

अभिनेत्री ग्रेसी ने गुपचुप रचाई शादी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री ग्रेस एंटनी ने अचानक अपनी शादी की तस्वीरें साझा कर सभी को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटोज को शेयर किया है।

मलयालम एक्ट्रेस ग्रेस एंटनी ने अपने फैंस को तब बड़ा सरप्राइज दिया जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अचानक अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं। फिल्मों में ग्लैमरस और दमदार किरदार निभाने वाली ग्रेस ने अपनी निजी जिंदगी का यह अहम फैसला बेहद सादगी और चुपचाप लिया। उन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के सिंपल तरीके से शादी की। ग्रेस ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनमें वो दुल्हन के जोड़े में अपने पति का हाथ थामे नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा - न कोई आवाज, न रोशनी, न भीड़ज आखिरकार हमने कर दिखाया। जस्ट मेरिड। इस पोस्ट से उन्होंने अपनी शादी की खबर सबको दी। खास बात यह रही कि उन्होंने दूल्हे का चेहरा उजागर नहीं किया और समारोह में सिर्फ करीबी लोगों की मौजूदगी रही।

दूल्हे की पहचान पर रहस्य

हालांकि ग्रेस ने अपने पति का नाम या चेहरा सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन इंडस्ट्री में यह चर्चा है कि उन्होंने संगीत निर्देशक एबी के साथ सात फेरे लिए हैं। अब तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद, ग्रेस को शुभकामनाएं देने वालों में इंडस्ट्री के कई बड़े नाम शामिल रहे।

अभिनेत्री का फिल्मी सफर

ग्रेस एंटनी ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-छोटे किरदारों से की थी, लेकिन उन्हें पहचान मिली कुंबलंगी नाइट्स से, जिसमें उन्होंने फहद फासिल की पत्नी का रोल निभाया था। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात लोकप्रियता दिलाई। हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज नागेंद्रन'स हनीमून में भी उनके अभिनय की काफी चर्चा हुई थी।

अचानक हुई शादी से हैरान फैंस

ग्रेस की शादी की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि उन्होंने पहले कभी भी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कोई घोषणा नहीं की थी। यही वजह है कि जब तस्वीरें सामने आईं तो सोशल मीडिया पर यह खबर तुरंत वायरल हो गई।

मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की वह मेरे डीएनए में ही नहीं

हेट स्टोरी 2 जैसी बोल्ड फिल्म से डेब्यू करने वाली सुरवीन चावला ने अग्ली, पार्च्ड, सेक्रेड गेम्स जैसी लीक से हटकर फिल्में और सीरीज करके बतौर ऐक्टर अपनी अलग जगह बनाई है। इस साल चार वेब शोज क्रिमिनल जस्टिस 4, मंडला मर्डर्स, राणा नायडू 2 और अंधेरा में नजर आई सुरवीन से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत।

आपने हेट स्टोरी 2, पार्च्ड से लेकर सेक्रेड गेम्स और हालिया शो अंधेरा तक में हमेशा बोल्ड और लीक से हटकर किरदार चुने हैं। क्या पैमाना रहता है आपका किरदार चुनने का?

मेरे पास आते ही ऐसे आड़े-टेढ़े रोल हैं, वरना मेरा सिंपल, नाच-गाने वाला हल्का-फुल्का काम करने का बहुत मन करता है। वो जो हार्ड कोर कमर्शल फिल्में होती हैं ना, वो मेरा फेवरिट है। मैंने पंजाबी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं ऐसी मेनस्ट्रीम नाच-गाने वाली लव स्टोरी फिल्में की भी बहुत हैं, मगर अभी कॉन्टेंट थोड़ा अलग हो गया है। डार्क कॉन्टेंट ज्यादा बन रहा है, पर मैं बतौर दर्शक हल्का-फुल्का कॉन्टेंट देखना भी चाहूंगी और उसका हिस्सा भी बनना चाहूंगी। मेरा मानना है कि आप शुरू में जैसा काम करते हैं, वैसा ही आगे मिलता है और मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की। वह मेरे डीएनए में ही नहीं है। मैं यह सोचकर हां नहीं करती कि यह रिस्की है तो करना चाहिए। आज मेरे लिए काम, परिवार के साथ मेरा बच्चा भी मेरी प्राथमिकता है, तो मैं वो काम करना चाहूंगी, जिसे करके वही खुशी मिले, जो एक लंबे दिन के बाद मुझे अपने बच्चे को देखकर मिलती है। उस काम को लेकर मेरी आंखों में वही उत्साह और चमक होनी चाहिए।

हॉकी दिग्गजों ने की पंजाब हॉकी लीग की सराहना, कहा-

पीएचएल हमारे समय में होती तो बढ़ जाते करियर

मोहाली : राउंडग्लास और हॉकी पंजाब के संयुक्त आयोजन में चल रही पंजाब हॉकी लीग (पीएचएल) को भारत के हॉकी महान खिलाड़ियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनका मानना है कि यह लीग देश में खेल का भविष्य बदल रही है। 30 लाख रुपये की इनामी राशि जो भारत में जूनियर हॉकी के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम है, और देशभर की टीमों की भागीदारी के साथ, पीएचएल ने जमीनी स्तर के विकास में नए मानक स्थापित कर दिए हैं।भारत के पूर्व फॉरवर्ड और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रभजोत सिंह ने आयोजकों द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के पैमाने और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए इसे युवाओं के

लिए सबसे बड़ा मंच बताया। उन्होंने कहा, ह्यह्यह लीग, जो राउंडग्लास और हॉकी पंजाब ने शुरू की है, शानदार पहल है। जब ऐसी लीग होती है, तो सभी जूनियर्स को मौका मिलता है। साथ ही इसमें 30 लाख रुपये की बड़ी इनामी राशि भी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट की तैयारी का शानदार प्लेटफॉर्म है।,2001 जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप विजेता और दो बार एशिया कप जीत चुके प्रभजोत ने कहा कि लीग के हर साल आयोजित होने से युवाओं को स्पष्टता और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, ह्यपहले खिलाड़ियों को यह नहीं पता होता था कि कौन-सा टूर्नामेंट खेलना है। अब इस लीग के चलते उन्हें पता है कि यह हर साल होती है। इसलिए वे इसके लिए तैयारी करते हैं। वे यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि यह उन्हें सीनियर कैंप में चयन का मौका दिला सके।, प्रभजोत ने यहां तक कहा कि अगर उनके दौर में भी ऐसी लीग होती, तो खिलाड़ियों का करियर कई साल और बढ़ जाता। हॉकी के दिग्गज बलजीत सिंह ने कहा कि इस पहल का असर पंजाब से आगे भी दिखेगा। उन्होंने कहा, ह्यह शानदार पहल है। इससे भारतीय हॉकी को बढ़ावा मिलेगा। पंजाब की हॉकी हमेशा समृद्ध रही है और अब अन्य राज्य भी हमारी हॉकी संस्कृति से लाभ उठा सकते हैं। ऐसी पहलों को नियमित समर्थन मिलना चाहिए ताकि भारत को लगातार अच्छे खिलाड़ी मिलते रहें।, बलजीत ने पूरे देश से भागीदारी और उसके मिलने वाले अनुभव को अहम बताया।

मनोरंजन के साथ ही कार्टून समाज को जागरूक करने वाली कला भी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार देर शाम राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2025 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कार्टून केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी है, जो हास्य और व्यंग्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को सरलता से प्रस्तुत करता है। कार्टून मनोरंजन के साथ ही समाज को जागरूक करने और सोचने के लिए प्रेरित करने वाली कला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने जम्मू-कश्मीर के प्रख्यात कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा को कार्टून वॉच पत्रिका का लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया। उन्होंने कार्टून फेस्टिवल में हिस्सा ले रहे कार्टूनिस्टों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वयं भी कार्टून बनाया। कार्टून

वॉच फेस्टिवल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कार्टून वॉच पत्रिका ने 29 वर्षों का सफल सफर तय कर लिया है और अब अपने 30वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। मैं कार्टून वॉच की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ कि वे आगे भी कार्टून की इस विधा में उत्कृष्ट कार्य करते रहें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि अगले वर्ष कार्टून वॉच फेस्टिवल बस्तर में आयोजित हो तो यह अत्यंत हर्ष का विषय होगा। बस्तर में अब शांति स्थापित हो रही है और जल्द ही यह क्षेत्र पूर्णतः नक्सलमुक्त होगा। नियद नेल्ला नार योजना (जिसका अर्थ है झ आपका अच्छा गाँव) के माध्यम से सरकार की योजनाएँ बस्तर के लोगों तक पहुँच रही हैं। 300 से अधिक गाँवों में अब तक सड़क, बिजली, पानी और राशन कार्ड जैसी सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। जहाँ पहले बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहाँ अब स्कूल की घंटी बज रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में 1 लाख 65 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह बस्तर की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव बस्तर पंडुम आयोजित किया गया, जिसमें 47 हजार लोग शामिल हुए। यह इस बात का प्रमाण है कि बस्तर के लोग अब मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। मैं बस्तर में इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में शामिल हुआ। अब बस्तर में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के रोडमैप के रूप में हमने विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा सेंटर और टेक्सटाइल सहित अनेक क्षेत्रों में निवेश हो रहा है। हाल ही में जापान और कोरिया की यात्रा के दौरान भी हमने उद्योगों के साथ कई एमओयू किए हैं। छत्तीसगढ़ का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि कार्टून एक बेहद सशक्त माध्यम है। कार्टून वॉच की टीम सरकार की योजनाओं को भी कार्टून के जरिए आमजन तक पहुँचाए। कार्टून वॉच का यह प्रयास कार्टूनिस्टों को मंच प्रदान करता है, जो उनकी रचनात्मकता को और निखारने में सहायक है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कार्टून की विधा मीडिया और साहित्य का अद्भुत संगम है। यह विधा चुटीलेपन के साथ गागर में सागर भरने का सामर्थ्य रखती है। मैं स्वयं जब भी समाचार पत्र पढ़ता हूँ, कार्टून अवश्य देखता हूँ। श्री त्रयम्बक शर्मा ने कार्टून की इस विधा को जीवंत बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि कार्टून वॉच देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका है। 30 वर्षों की यह यात्रा इसके संपादक श्री त्रयम्बक शर्मा के जज्बे को दशार्ती है। उनका यह सफर सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अपने कार्य से यह साबित किया है कि किसी भी क्षेत्र में पूरे समर्पण और निष्ठा से कार्य करने पर सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्रीराजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित अनेक कार्टूनिस्ट और साहित्य-कला जगत के गणमान्यजन उपस्थित थे।

सुरक्षित दुर्गोत्सव के लिए बालुरघाट प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

एजेंसी

बालुरघाट : महज दो सप्ताह बाद शुरू हो रही बंगाल की सबसे बड़ी सांस्कृतिक-धार्मिक आयोजन दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने के लिए बालुरघाट जिला प्रशासन और पुलिस ने सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। खासतौर पर प्रतिमा विसर्जन को लेकर इस बार कड़े नियम लागू होंगे ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना को टाला जा सके। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्तिक चंद्र मंडल ने बताया, ह्लदुर्गा प्रतिमा का विसर्जन कहीं भी नहीं किया जा सकेगा। केवल प्रशासन द्वारा चिह्नित नदी और तालाब में ही प्रतिमा विसर्जन होगा। पिछली बार विसर्जन के दौरान दुर्घटना हुई थी। इसलिए इस बार तय किया गया है कि केवल चिन्हित स्थानों पर ही विसर्जन की अनुमति दी जाएगी। साथ ही, तैरना न जानने वाले किसी भी व्यक्ति को विसर्जन के लिए जलाशय में उतरने की इजाजत नहीं होगी। हमारा लक्ष्य सिर्फ इतना है कि पूजा को लेकर कोई अप्रिय घटना न घटे। शुक्रवार शाम बालुरघाट जिला प्रशासनिक भवन परिसर स्थित ह्यबालु-छायाह्न सभागार में आयोजित समन्वय बैठक में जिला शासक बिजिन कृष्णा, पुलिस अधीक्षक चिन्मय मित्तल, जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुदीप दास, एसडीपीओ दीपांजन भट्टाचार्य समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अग्निशमन और विद्युत विभाग के कर्मी भी शामिल हुए। इस अवसर पर पूजा आयोजकों को सरकारी वित्तीय अनुदान का चेक सौंपा गया। प्रशासन ने साफ कर दिया कि पूरे जिले में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और सभी क्लबों को प्रशासनिक गाइडलाइन का पालन करना होगा। इस बार जिलेभर के कुल 561 पूजा आयोजकों को आर्थिक अनुदान दिया जा रहा है।

लिंग परीक्षण केंद्र के संचालक सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज, गिरफ्तार

- पानीपत की स्वास्थ्य टीम ने शुक्रवार को सेक्टर 37 में चल रहे केंद्र पर की थी छापेमारी

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर 37 में अवैध रूप से भ्रूण लिंग परीक्षण करने वाले डॉक्टर सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही सभी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। जनपद पानीपत हरियाणा के स्वास्थ्य टीम के पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉक्टर अभय नंदन वत्स ने थाना सेक्टर 39 में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर क्लिनिक के संचालक डॉक्टर राजश्री जसूजा

पुत्र संजीव जसूजा निवासी डी-29 सेक्टर 40 नोएडा, मरियम पुत्री रोहित कुमार निवासी ग्राम भंगेल, बबलू झा पुत्र काशीकांत झा निवासी सेक्टर 122 नोएडा, रोहित कुमार पुत्र सत्य प्रकाश निवासी ग्राम भंगेल तथा अमित कुमार पुत्र प्रेमचंद निवासी ग्राम गिझौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। इनके इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(2),61,3(5),प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स रेगुलेशन एंड प्रीवे. ऑफ मीसयुज की धारा - 4,5(1),6 ( ) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना सेक्टर 39 पुलिस आज आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रही है। हरियाणा के जनपद पानीपत के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार शाम को कार्रवाई करते हुए सेक्टर 37 में चल रहे भ्रूण लिंग जांच केंद्र का पदार्फाश करते हुए पांच लोगों को पकड़ा है। इसमें दो महिलाएं शामिल हैं। यह केंद्र काफी दिनों से चल रहा था। डॉक्टर अभय नंदन वत्स (पीएनडीटी नोडल) पानीपत ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत उनकी टीम ने कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि उनको काफी दिनों से जानकारी मिल रही थी कि नोएडा के सेक्टर-37 के लाल मार्किट में डॉक्टर राजश्री जसूजा क्लीनिक पर भ्रूण लिंग की जांच की जा रही है। जानकारी को पुख्ता करने के लिए उनकी पूरी टीम ने प्लान बनाया। और एक ग्राहक बनाकर बातचीत शुरू की। जांच के लिए 25 हजार रुपए तय किए गए। जिसमें लिंग जांच करने वाले लोगों द्वारा 5 हजार रुपए ऑनलाइन जमा करवाए गए और बाकी कैश देने की बात हुई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को पानीपत से डॉक्टरों की टीम नोएडा पहुंची। पहले उन्होंने अपने द्वारा तैयार किए गए कस्टमर को अंदर भेजा।

यूपी डीजीपी ने चार जिलों के पुलिस अधीक्षक और दो पुलिस आयुक्तों से स्पष्टीकरण मांगा

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने शुक्रवार देर शाम को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग की। इसमें जनसुनवाई, कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा को लेकर समीक्षा की है। साथ ही साथ जून, जुलाई और अगस्त माह के जनशिकायत के निस्तारण की समीक्षा रिपोर्ट ली। इसमें यूपी के 20 जिलों में जन शिकायतों में वृद्धि पाई गई है। समीक्षा में पाया गया कि 75 में से 56 जिलों में जन-शिकायतों में कमी आई हैं, जबकि 20 जिलों में थोड़ी वृद्धि हुई है। इन 20 जिलों में सर्वाधिक वृद्धि वाले छह जनपदों में शिकायतों के शिथिल पर्यवेक्षण पर पुलिस महानिदेशक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक देवरिया, संभल, कौशांबी, बदायूं, पुलिस आयुक्त गाजियाबाद और वाराणसी से स्पष्टीकरण मांगा है।

डीजीपी ने कहा कि जन-शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिकायत आने के कारणों को दूर करना होगा। क्षेत्राधिकारियों को जन-शिकायतों के निस्तारण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जन-शिकायतों के निस्तारण में फोकस्ड दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

डीजीपी ने पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों की भी समीक्षा की, जिसमें झाँसी, बहराइच, लखनऊ, जौनपुर, कानपुर और आगरा में सबसे अधिक शिकायतें मिलीं। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सर्वाधिक शिकायतें हैं, उन्हें चिन्हित कर सभी मामलों की सूची तैयार की जाए और जनपदीय पुलिस प्रभारी स्वयं उनका अनुसरण करें। शिकायत सही पाए जाने पर उक्त पुलिस अधिकारी से एक उच्च स्तर का कोई अधिकारी शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत वार्ता करे और पुष्टि होने पर दोषी पुलिसकर्मी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करे। डीजीपी ने आगे कहा कि ह्यमैनपावर मैनेजमेंटह्ल एवं प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। सही व्यक्ति का चयन कर उसे उपयुक्त जिम्मेदारी देने से समस्याओं का निराकरण स्वतः हो जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जन-शिकायतों से जुड़े मामलों में पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार हो, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। किसी मुद्दे पर आक्रोशित व्यक्तियों से संवेदनशीलता से धैर्यपूर्वक वार्ता कर समस्या का समाधान निकाला जाए।

शिमला के नेरवा में आधी रात बोलेरो खाई में गिरी, दो युवकों की मौत

शिमला : जिला शिमला के चौपाल उपमंडल के तहत नेरवा थाना क्षेत्र में बीती मध्य रात्रि दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नेरवा से लगभग तीन किलोमीटर दूर दियांडली सड़क पर बोलेरो कैंपर (नंबर ल्ढ08अ-2578) अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रज्वल उर्फ गोलू तंगडाईक (उम्र लगभग 28 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश तंगडाईक, निवासी गांव दियांडली, डाकघर व तहसील नेरवा जिला शिमला और मनोज उर्फ जोंटी बनाईक (उम्र लगभग 27 वर्ष), पुत्र केदार सिंह बनाईक, निवासी गांव दियांडली, डाकघर व तहसील नेरवा जिला शिमला के रूप में हुई है। दोनों युवक बोलेरो में सवार होकर देर रात घर की ओर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत नेरवा पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीम ने ग्रामीणों की मदद से खाई में गिरे शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल नेरवा भेज दिया। डीएसपी चौपाल सुशांत शर्मा ने सुबह पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में दो युवकों की मौत हुई है।

विपरीत दिशा से वाहन चलाने वालों पर नोएडा पुलिस ने कसी लगाम, 8 माह में एक लाख 48 हजार का हुआ चालान

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर नोएडा में विपरीत दिशा से वाहन चलाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई जारी है। यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर नोएडा ट्रैफिक पुलिस जनवरी से अगस्त 2025 तक बड़ी कार्रवाई की है। आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी 2025 से 31 अगस्त 2025 तक अलग-अलग यातायात नियम तोड़ने वाले वाहनों पर लाखों चालान काटे गए और करोड़ों रुपये का जुमार्ना वसूला गया। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने जारी एक प्रेस नोट के तहत बताया कि 1 जनवरी से 31 अगस्त तक नोएडा में विपरीत दिशा में वाहन चलाने वाले 1,48,021 वाहन चालको के चालान काटे गए

हैं। इनसे 29 करोड़ 60 लाख 42 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया है। ओवर स्पीडिंग के 45,448 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 11 करोड़ 36 लाख 20 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। ड्रिंक एंड ड्राइव करने वाले 127 चालकों पर 12 लाख 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे वाहन जिन पर पांच या पांच से अधिक चालान लंबित हैं और वाहन स्वामियों द्वारा जुमार्ना जमा नहीं किया गया है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

उत्तराखंड में शत्रु संपतियों पर धामी सरकार सख्त, फैज सहित अन्य 34 संपत्तियों को कब्जा मुक्त करने को अभियान शुरू

एजेंसी

देहरादून : देवभूमि उत्तराखंड में शत्रु संपत्तियों की फाइलें खुलने लगी है। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय से भी सख्त निर्देश मिला है कि शत्रु संपत्तियां जिलाधिकारी अपने कब्जे में लेकर शासन के जरिए गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करे। फैज मोहम्मद शत्रु संपत्ति सहित अन्य 34 संपत्तियों की फाइलें खोल दी गई थी लेकिन ये फाइल फिर से छुपा दी गई। एक बार फिर से इनको कब्जा मुक्त कराने के लिए अभियान शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि उत्तराखंड सरकार शत्रु संपत्तियों को खाली करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जितनी भी शत्रु संपत्तियों के विषय में केंद्र के गृह विभाग से सूचना आई है, उनकी पहचान कराई गई है। शासन स्तर से सभी जिला अधिकारियों को कहा गया है कि वे इन्हें खाली करवा कर उनका जनहित में उपयोग करें। सरकार ने नैनीताल की शत्रु संपत्ति को खाली करवाया है। जिसका उपयोग पार्किंग के लिए किए जाने की अनुमति दी गई है। उत्तराखंड के समस्त शत्रु संपतियों को खाली करवाने के लिए सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रही है। जानकारी के मुताबिक फैज मोहम्मद नाम से

शत्रु संपत्तियां देहरादून में दर्ज है और इन्हे खुर्दबुर्द करने में सहारनपुर और देहरादून के भू-माफिया पिछले कुछ समय से लगे हुए है और इनके फर्जी वारिसान दस्तावेजों के जरिए अवैध कब्जे जमाए हुए है। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड बनने के बाद भी देहरादून हरिद्वार के जमीनी राजस्व दस्तावेज सहारनपुर कमिश्नरी में पड़े रहे, क्योंकि उस वक्त कमिश्नरी सहारनपुर में ही हुआ करती थी और बरसो पुराने जमीनी दस्तावेज वहीं मिलते थे, वहीं से भू-माफिया देहरादून की जमीनों के कागजों में फजीर्वाड़े करते रहे। इन्ही मूल दस्तावेजों को पूर्व में जिलाधिकारी सोनिका ने देहरादून मंगवा लिए जिसके बाद से भू-माफियाओं की धर पकड़ शुरू हुई थी। जानकारी के मुताबिक आईएसबीटी के पास टर्नर रोड पर 70 बीघा जमीन फैज मोहम्मद शत्रु संपत्ति के रूप में चिन्हित हो चुकी है, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सूचीबद्ध किया हुआ है। फैज मोहम्मद नाम की माजरा क्षेत्र में भी 1800 बीघा शत्रु संपत्ति चिन्हित है, बताया जाता है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट ने उक्त जमीन के दस्तावेजों की जांच पड़ताल की है और मौका मुआयना भी किया लेकिन उसके बाद एकाएक ये फाइलें ठंडे बस्ते में चली गई। एक अनुमान के अनुसार ये दोनो संपत्तियों की कीमत अरबों में है। इस पर अवैध रूप से लोग सहारनपुर ,मुजफ्फरनगर आदि इलाकों से आकर बसे हुए है या बसाए गए है और इस साजिश पीछे कई प्रभावशाली सफेद पोश भी शामिल है। बहरहाल धामी सरकार को गृह मंत्रालय की तरफ से भी निर्देश है कि राज्य सरकार, शत्रु संपत्तियों को अपने कब्जे में लेकर उन्हे जिला अधिकारी की देखरेख में सुपुर्द करें। जिलाधिकारी अपनी कस्टोडियन में इसका उपयोग जनहित में स्वयं कर सकते हैं और इन्हें किसी और के सुपुर्द नहीं किया जा सकता।

न्यूज IN ब्रीफ

नेत्रहीन विधवा महिला के साथ धोखाधड़ी, जमीन व मकान हड़पने का आरोप

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के बिधूना तहसील क्षेत्र के एरवाकटरा थाना इलाके में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां गांव दोबामाफी की रहने वाली नेत्रहीन विधवा महिला रीता ने तहसील प्रशासन और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि गांव के लेखपाल व उसके साथियों ने दवा दिलाने के बहाने उसे तहसील ले जाकर उसके मकान और जमीन के कागजात पर अंगूठा लगवा लिया और धोखे से जमीन अपने नाम करा ली। रीता जन्म से ही नेत्रहीन हैं। हाल ही में उनके पति सर्वेश का निधन हो गया, जिससे परिवार पहले से ही टूट चुका है। रीता का एक मात्र सहारा उनका 5 वर्षीय बेटा है। पीड़िता ने बताया कि 10 तारीख को गांव का लेखपाल और कुछ लोग उसे तहसील ले गए। बहाना दवा दिलाने का बनाया गया, लेकिन वहां जमीन और मकान से जुड़े दस्तावेजों पर अंगूठा लगवाकर उनके नाम से बैनामा करा लिया गया। मामला तब उजागर हुआ जब शुक्रवार को परिवार को इस धोखाधड़ी की जानकारी मिली। इसके बाद रीता अपनी बहन अनीता और भतीजी शिवा के साथ थाना एरवाकटरा पहुंचीं। वहां उन्होंने न सिर्फ जमीन हड़पने की शिकायत दर्ज कराई बल्कि आरोप लगाया कि उनका बच्चा भी वर्तमान में आरोपियों के पास है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला को सुझाव दिया कि वह तहसील में लिखित शिकायत दर्ज कर बैनामा रद्द कराए। इसके बाद पीड़िता ने तहसील बिधूना जाकर अधिकारियों से गुहार लगाई। तहसील प्रशासन ने जांच का आश्वासन दिया है और पूरे मामले की पड़ताल करने की बात कही है।

डंपर ने मारी स्कूटी में टक्कर, दो की मौत

गौतम बुद्ध नगर : थाना बिसरख क्षेत्र में स्कूटी पर सवार होकर जा रहे दो लोगों को एक डंपर चालक ने कुचल दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को श्रीमती साधना पत्नी प्रदीप यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद मधुबनी बिहार की रहने वाली हैं, तथा बिसरख क्षेत्र के महालक्ष्मी इनक्लेव में किराए पर रहती है। महिला के अनुसार उनके पति प्रदीप यादव और उनके बड़े भाई कार्तिक कुमार पुत्र महेश यादव स्कूटी पर सवार होकर अपने काम से बीती रात को वापस आ रहे थे। महिला के अनुसार जैसे ही वे लोग रोजा जलालपुर गांव के पास स्थित पुलिस चौकी के पास पहुंचे एक डंपर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हैं उनकी स्कूटी में टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में महिला के पति और भाई की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रयागराज: मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी थाना क्षेत्र में फूलमंडी के समीप शनिवार को वाहन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस टीम ने दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस टीम ने दोनों के कब्जे से लूटी गई एक चेन, एक मोटरसाइकिल और दो तमंचा, कारतूस एवं अन्य सामान बरामद किया। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि गिरफ़्तार आरोपित में प्रयागराज के जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर के डंडिया निवासी उमाशंकर जायसवाल पुत्र पीताम्बर लाल जायसवाल और धूमनगंज थाना क्षेत्र के गयासुद्दीनपुर ट्रांसपोर्ट नगर निवासी संतोष कुमार रावत पुत्र दिनेश है। दोनों के खिलाफ लूट एवं छिनैती के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम ने लुटेरों के कब्जे लूट की 1 चेन (पीली धातु), 910 रुपए नगद, घटना में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल तथा 2 अवैध देशी तमंचा , 2 जिंदा कारतूस व 1 खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि नैनी के चकदाऊद निवासी कमलेश द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय श्रीराम द्विवेदी ने 8 सितम्बर को समय करीब 5 बजे (शाम) आवेदक की पुत्रवधू पूनम द्विवेदी पत्नी नितेश द्विवेदी अपने बच्चों को ट्यूशन क्लास के लिए झिलमिल कॉलोनी छोड़ने गई थी, तभी पीछे से नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार 2दो बदमाश मेरी पुत्रवधू के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर छीनकर फरार हो गए। इस संबंध में मुकदमा दर्ज करके तलाश की जा रही थी। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

कांग्रेस का आरोप 50 हजार की रोटी बनाने की मशीन की हुई 8 लाख में खरीद

रायपुर : आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग में रोटी बनाने की मशीन खरीद में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि जेम पोर्टल भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। पार्टी के संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने दावे किया है कि जेम पोर्टल के जरिए विभाग ने 50 हजार की रोटी बनाने की मशीन को 7 लाख 95 हजार में खरीदा है। संचार प्रमुख के मुताबिक इससे पहले भी 200 रुपये का जग 32 हजार रुपये में खरीदा गया था, 1 लाख की टीवी की 10 लाख में खरीद हुई थी।इसी भ्रष्टाचार के कारण कांग्रेस सरकार ने जेम पोर्टल के जरिए खरीद को बंद किया था। ताकि राज्य के बाहर के दलाल किस्म के सप्लायर प्रदेश के खजाने पर डाका न डाल सकें।भाजपा सरकार बनने के बाद जेम पोर्टल से शासकीय खरीदी फिर शुरू करने का दुष्परिणाम सामने है। भूपेश सरकार ने राज्य के छोटे उद्योगों, व्यापारियों और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने सीएसआईडीसी के जरिए रेट कॉन्ट्रैक्ट निर्धारित कर सरकारी खरीदी करने का निर्णय लिया था। इससे पारदर्शी खरीद के साथ राज्य के स्थानीय व्यवसायियों, युवाओं को रोजगार मिलता था। भाजपा सरकार ने जेम पोर्टल लागू करते समय सीएसआईडीसी के रेट कांट्रैक्ट के जरिए सप्लाई में भ्रष्टाचार का झूठा दावा किया था। यह पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था थी। इसमें राज्य के व्यवसायियों को संरक्षण मिलता था।

भाद्र माह के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व का मुख्यमंत्री ने किया गुणगान

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि भाद्र माह का देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन में विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस माह को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव व महापुरुष माधवदेव की पुण्य तिथियां और भी पवित्र बनाती हैं। शुक्रवार को महापुरुष माधवदेव की पुण्य तिथि पर नलबाड़ी स्थित श्रीश्री हरि मंदिर प्रांगण में सात हजार से अधिक महिला श्रद्धालुओं ने दिहा नाम का आयोजन किया। मुख्यमंत्री ने इसे गहन सौंदर्यपूर्ण और आध्यात्मिक दृश्य बताया। डॉ. सरमा ने दोनों महापुरुषों के चरणों में कृतज्ञता व्यक्त करते हुए नाम-प्रसंग के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और कहा कि यह असमिया समाज की गहरी आस्था और सांस्कृतिक जड़ों का प्रतीक है।

न्यूज IN ब्रीफ

12 साल बच्चे ने की आत्महत्या

दुमका : जिले से एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां मोबाइल फोन ना खरीद देने पर बच्चे ने अपनी जान देदी। मामला जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के मथाकेशो गांव का है, जहां मां ने स्मार्टफोन खरीदने से मना किया तो 12 साल के बेटे ने अपने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी।

इस मामले पर सरैयाहाट थाना प्रभारी ने बताया कि लड़का अपनी 40 वर्षीय मां बद्रिका देवी से अक्सर स्मार्टफोन दिलवाने की मांग करता था। कई बार तो झगड़े भी कर लेता था। लेकिन मां की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी तो मां स्मार्टफोन खरीदने से इनकार कर दे रही थी।

वहीं मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह लड़का स्कूल से लौटा और इसी मुद्दे पर अपनी मां से फिर बहस हो गई। इसके बाद मां खेत चली गई। दोपहर में जब मां खेत से लौटी तो उन्होंने अपने बेटे को कच्चे घर की छत से फंदे पर लटका पाया। जिसके बाद मां की चीख निकल गई। बताया जा रहा है कि लड़के के पिता बेंगलुरु में संविदा मजदूर के रूप में काम करते हैं।

नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों एवं योजनाओं की समीक्षा को लेकर आयोजित बैठक संपन्न

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों एवं क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा तथा जिला योजना समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों आकांक्षी प्रखंड झ्र रामगढ़ एवं जरमुंडी की प्रगति का बिंदुवार मूल्यांकन किया गया।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, कल्याण, आजीविका, खरछ्ढर सहित अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि नीति आयोग द्वारा तय किए गए इंडिकेटर्स के अनुरूप कार्य करना सभी विभागों की प्राथमिकता है। जिन क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्ति नहीं हो पाई है, उन विभागों के अधिकारियों को ठोस कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि आकांक्षी प्रखंडों में शिक्षा स्तर सुधार, स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, पोषण की स्थिति में सुधार एवं रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और त्वरित गति सुनिश्चित करें ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके।

बैठक में नीति आयोग द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह भी निर्देश दिया गया कि जो कार्य शेष रह गए हैं उन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। साथ ही, सभी विभागों को नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अनुकम्पा से जुड़े मामलों को न रखें लंबित: उपायुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्थापना समिति एवं अनुकम्पा समिति से संबंधित मामलों की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित सभी विभिन्न विभागों, प्रखण्डों तथा अंचलों से आये अनुकम्पा से संबंधित सभी मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान सामान्य अनुकम्पा से जुड़े 11 आवेदनों (तृतीय वर्गीय), चौकीदार 09 एवं चतुर्थ वर्गीय 01 आवेदन के सम्बंध में उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि सभी त्रुटियों का निराकरण जल्द से जल्द करा लें ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके। आगे उपायुक्त द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि अनुकम्पा से संबंधित आवेदनों पर किसी प्रकार की आपत्ति है या नहीं इसकी भी जांच करा ले। आगे उपायुक्त द्वारा समिति के अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि अनुकंपा के मामले में अन्य राज्यो से प्राप्त आवेदनों के प्रमाणपत्रों के सत्यता की जांच संबंधित जिला जिलाधिकारी से करा लें ताकि, आगे किसी भी प्रकार के समस्या सामना ना करना पड़े। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता देवघर, जिला स्थापना उपसमाहर्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

सिविल सर्जन ने हरी झंडी दिखाकर किया जागरूकता रथ को रवाना

देवघर : राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से संबंधित जागरूकता रथ को सिविल सर्जन डॉ. जुगल किशोर चौधरी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पूरे जिले में 15 सितंबर 2025 को देवघर जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में 1 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल दवा खिलाकर मनाया जाएगा ।जागरूकता रथ रवाना करते समय ,डीपीएम नीरज भगत डीपीसी प्रवीण सिंह, डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर शहाबुद्दीन अंसारी,राजेश राय,मनीष कुमार,संजीत दुबे आदि उपस्थित थे।

जनता की समस्याओं को दूर करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है : बसंत सोरेन

संवाददाता

दुमका : सदर प्रखंड में शुक्रवार को जनता दरबार सह जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उदघाटन दुमका विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक बसंत सोरेन ने किया।

जनता दरबार सह जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दुमका विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक श्री सोरेन ने कहा कि यह सरकार जनता की है और जनता की समस्याओं को दूर करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार आम जनमानस के जीवन स्तर को ऊपर उठाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं सीधे जनता के लिए हैं, जिनका लाभ हर पात्र परिवार तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लें और उसका लाभ अवश्य उठाएँ।उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य यही है कि सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो सके तथा लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो।

उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मईया अजीविका सिलाई केंद्रह्व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस केंद्र के माध्यम से न केवल महिलाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा, बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर सकेंगी।

इस अवसर पर जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जनता दरबार सह जनसंवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को नजदीक से सुनना और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता द्वारा बताई गई समस्याओं पर नियमानुसार कार्रवाई करें, ताकि लोगों की समस्याओं का निष्पादन तुरंत हो सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना आमजन के कल्याण के लिए बनाई गई है। अतः यह सुनिश्चित किया जाए कि योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी तरीके से पहुँचे। उन्होंने ग्रामीणों से भी आग्रह किया कि वे अपनी समस्याओं को निसंकोच रखें तथा योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाएं।

इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक श्री सोरेन द्वारा विभिन्न विभागों के परिसंपत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया गया।भूमि संरक्षण विभाग द्वारा जेएसएलपीएस के 3 लाभुकों को मिनी ट्रैक्टर एवं 2 लाभुकों को बड़ा ट्रैक्टर उपलब्ध कराया गया।साथ ही लाभुकों के बीच अबुआ आवास योजना का स्वीकृति पत्र,मनरेगा जॉब कार्ड,सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,केज कल्चर विस्तार एवं सुदृढीकरण योजना के तहत केज हाउस हेतु वित्तीय अनुदान राशि 5,40,900 का वितरण किया गया।साथ ही लाभुकों के बीच आयुष्मान कार्ड,कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फण्ड के तहत 20 लाख की सहायता राशि,दीदी की दुकान के लिए 1,50,000 की राशि प्रदान की गयी।24 सखी मंडल की दीदियों के 2,40,000 की राशि प्रदान की गयी।किसान समृद्धि योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान पर 2ध्ढ अउ/उ्ळ पंप सेट का वितरण लाभुकों के बीच किया गया।इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक श्री सोरेन नेबच्चों के बीच साईकल का वितरण किया ।साथ हीआजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत मिरुदी मुर्मू को वाहन हेतु ₹600000 ऋण प्रदान किया गया।

इसके उपरांत झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक श्री सोरेन ने मईया आजीविका सिलाई केंद्र का उदघाटन किया।कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे ताकि आमजनों की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जा सके। इस दौरान उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी एवं प्रखंड के अधिकारी उपस्थित थे।

घुटबहार ग्राम सभा में अवैध शराब बिक्री पर रोक का सर्वसम्मत निर्णय

संवाददाता

सिमडेगा/ठेठईटांगर: ठेठईटांगर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत घुटबहार में आज शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा बैठक आयोजित हुई, जिसमें सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा ह्लघुटबहार डोभापानी (बड़ाईक टोली)ह्व में चल रही अवैध देसी शराब बिक्री को रोकने और उसके दुष्प्रभावों से समाज को बचाने पर केंद्रित रहा।

भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की बैठक में विशेष रूप से शरीक हुए। उन्होंने ग्राम सभा में मौजूद सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा ग्राम सभा का यह कदम सराहनीय है। शराब जैसी बुराई हमारे आदिवासी समाज की जड़ों को खोखला कर रही है। सामूहिक जागरूकता से ही गाँव में शांति और स्वस्थ वातावरण स्थापित किया जा सकता है। मैं इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करता हूँ और प्रशासन से अवैध कारोबार पर सख़्त कार्रवाई की माँग करता हूँ।

बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि अवैध शराब कारोबार ने कई परिवारों में कलह और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ा दी है। स्वास्थ्य और सामाजिक माहौल पर इसके दुष्प्रभाव को देखते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गाँव के ह्लसारे समृद्धि धार हालह्व में एक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

बैठक के बाद ग्राम सभा के प्रतिनिधियों ने सिमडेगा पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें अवैध शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के नाम, नशे के फैलते खतरे और गाँव के शांतिपूर्ण वातावरण पर पड़ रहे असर का विस्तार से उल्लेख किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन शीघ्र कार्रवाई नहीं करता, तो वे सामूहिक आंदोलन पर विचार करेंगे।

ग्रामीणों ने यह भी संकल्प लिया कि वे स्वयं गाँव में इस तरह की गतिविधियों को नहीं पनपने देंगे और सभी परिवारों से शराब से दूरी बनाए रखने का आग्रह करेंगे।

ग्राम सभा के इस निर्णय और ज्ञापन सौंपने की कार्रवाई ने क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सामूहिक आवाज उठाकर बदलाव लाया जा सकता है। बैठक के अंत में ग्रामीणों ने एसपी के आश्वासन पर भरोसा जताया और उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही अवैध शराब कारोबार पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। मौके पर सुशील लकड़ा, इलियस कन्डुलना . ज्योति डाँग, सजित डाँग ,सुमन डाँग ' सुशील डाँग,मग्रेट लुगुन नितिर डाँग,दुलारी डाँग, सुमन डांग,जुगरेन बडिंग , सेवानी डांग, अलमा बडिंग समेत सैकड़ों ग्रामीणों उपस्थित थे.

हथियारबंद बदमाशों ने एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र में की लूटपाट

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र संचालक रंजीत भगत से लूटपाट की। यह वारदात सिंगारसी पंचायत अंतर्गत पकलो गांव के पास बोका मोड़ पर उस समय हुई, जब रंजीत भगत अपने केंद्र की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर हथियार के बल पर करीब 7 लाख रुपये नकद, एक लैपटॉप और उनकी बाइक लूट ली। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के दसगोड़ा की ओर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि बदमाशों ने रंजीत भगत की पहले से रेकी कर रखी थी। वे रोजाना बाइक से अपने उरढ केंद्र जाया करते थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान बदमाशों की एक बाइक और लूटी गई बाइक को बरामद कर लिया है। फिलहाल तीनों आरोपी लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा के बीच स्थित जंगल में छिपे हुए बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जंगल की घेराबंदी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं बिकशल कोनगाड़ी : रावेल लकड़ा

ठेठईटांगर : प्रखंड के अर्जुनटोली गांव में गुरुवार को क्षेत्र के विधायक विकसल कोंनगाड़ी के सम्मान में आभार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विधायक के पहल पर चारटोली,अर्जुनटोली, झारियाटोली, पुराना टोली गांव में आजादी के 76 वर्ष बाद गांव में विद्युतीकरण कर बिजली आपूर्ति प्रारंभ कराने तथा पेयजल हेतु चापाकल लगवाने के उपलक्ष्य में किया गया। गांव में पहली बार बिजली पहुंचने और पेयजल की समस्या दूर होने पर ग्रामीणों ने विधायक विक्सल कोंनगाड़ी के प्रति सामूहिक आभार व्यक्त किया। हालांकि इस दौरान विधायक विक्सल कोंनगाड़ी के अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि रावेल लकड़ा व अन्य नेतागण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ अतिथियों का स्वागत किया और फूल-मालाओं से अभिनन्दन कर अपनी खुशी जाहिर की।

ग्रामीणों ने बताया कि दशकों से अंधेरे और पेयजल संकट के बीच जीवन गुजारना मजबूरी थी। अब बिजली और शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध होने से गांव के लोगों को राहत मिली है। गांव में विकास की नई किरण जागी है और लोग अब बच्चों की पढ़ाई, रोजगार और स्वास्थ्य सुविधा को लेकर आशान्वित हैं। वहीं आभार कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा ने कहा कि विधायक विक्सल कोनगाड़ी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों की तरक्की के बिना क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। बिजली और पेयजल की समस्या का समाधान पहला कदम है, अब आने वाले दिनों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी ठोस कार्य किए जाएंगे। आगे कहा कि अर्जुनटोली जैसे दुर्गम इलाकों को मुख्यधारा से जोड़ना विधायक की प्राथमिकता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और गांव को आदर्श स्वरूप में ढालने में सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार उनके घरों में बल्ब जला है और स्वच्छ पानी की सुविधा मिली है। यह उनके जीवन में ऐतिहासिक पल है।इसके लिए हम सभी विधायक को बहुत बहुत धन्यवाद देते हैं।मौके पर प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक कांग्रेस जमीर खान,कोलेबिरा विधानसभा युवा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग,जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक जमीर हसन,कोलेबिरा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी,वार्ड सदस्य संजीता किड़ो,वार्ड सदस्य नीली रोस किड़ो,अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वाहिद एवं समस्त ग्रामीण आदि मौजूद रहे।

अधिकारों, संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा का संकल्प : अमृत चिराग तिर्की

13 सितम्बर को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी अधिकार दिवस मनाया जा रहा है

संवाददाता

सिमडेगा : आज 13 सितम्बर 2025 पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी अधिकार दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस 13 सितम्बर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित संयुक्त राष्ट्र आदिवासी अधिकार घोषणा की याद में मनाया जाता है। उसी दिन संयुक्त राष्ट्र ने आदिवासी समुदायों के लिए 46 अधिकारों वाला यह ऐतिहासिक घोषणा-पत्र जारी किया था। हर वर्ष 13 सितम्बर को मनाया जाने वाला यह दिन आदिवासी समाज के अधिकार, अस्तित्व, संस्कृति और संघर्ष को सम्मान देने के लिए समर्पित है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरूआत इसलिए की ताकि आदिवासी समुदायों की आवाज वैश्विक मंच पर पहुँचे और उनकी जमीन, जंगल, भाषा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मसम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित हो। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि संघर्ष, संकल्प और चेतना का प्रतीक है।

भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने इस अवसर पर कहा:

आदिवासी समाज ने हमेशा प्रकृति को पूजनीय माना है। जल, जंगल और जमीन को जीवन का आधार समझा है। उपनिवेशवाद, शोषण और आधुनिक विकास की अंधी दौड़ ने हमारे अधिकारों को छीनने की कोशिश की, लेकिन हमने हर समय अपने अस्तित्व और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

विश्व आदिवासी अधिकार दिवस हमें अपने पुरखों के बलिदान की याद दिलाता है और हमें अपनी भाषा, परंपरा और संस्कृति को बचाने, जल-जंगल-जमीन की रक्षा करने का संकल्प देता है। यह सिर्फ आदिवासियों का नहीं, बल्कि पूरी मानवता के अस्तित्व की चेतावनी और प्रेरणा है।

जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि अउउ (अुङ्ग्ष्ट्ल्ली२ ङ्क्ष्ङ्ग्थ्ल्लिं३ङ्गल्ल ङ्ग४ल्लू')के माध्यम से हजारों आदिवासी सामाजिक संगठनों ने भारत के 9 राज्यों के 67 जिलों में 12 सितम्बर को विश्व आदिवासी अधिकार दिवस के अवसर पर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिले में भी विभिन्न संगठनों ने मिलकर ह्लउपयुक्त महोदया, सिमडेगाह्व को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें आदिवासी समाज के अधिकारों, संस्कृति, जल-जंगल-जमीन और संविधान प्रदत्त सुरक्षा उपायों के पालन की मांग की गई।

अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि आज का दिन यह याद दिलाता है कि आदिवासी केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के मूल निवासी हैं। धरती के संतुलन और पर्यावरण की रक्षा में उनका योगदान अनमोल है। उन्होंने अपील की कि सभी समाज आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों के संरक्षण में सहयोग करें और जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें.